हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

तापमान
अधिकतम 31 डिग्री
न्यूनतम 25 डिग्री

12 जानलेवा गड्ढा से गंभीर दुर्घटना की आशंका, जा सकती है किसी की जान

13 हरेली में बस्तर नृत्य और पारंपरिक खेलों ने बांधा समा, विजेताओं को बांटे उपहार

खबर संक्षेप

अवैध गांजा के साथ दो युवक गिरफ्तार

भिलाई। अवैध रुप से गांजा बेच रहे दो युवक और एक अपचारी बालक को पुलिस ने पकड़ा है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बैकुंठधाम मंदिर नर्सरी के पास नेवई में स्टेशन मरोदा शिवपारा नेवई निवासी सुजल सिंह , गौतम नगर सुपेला सोनू साहू उर्फ शेखर. अपचारी बालक अवैध रूप से गांजा बेच रहे थे। पुलिस मौके पर पहुंची और दबिश देकर तीनों को पकड़ लिया। सुजल सिंह के पास से एक सफेद रंग की बोरी में गांजा बोरी समेत वजनी 1.238 किलोग्राम 10 हजार रुपए का जब्त किया। इसके अलावा बाइक सीजी 07 सीएन 7170 कीमत 40 हजार रुपए, मोबाइल 30 हजार का जब्त किया। सोनू साहू उर्फ शेखर से बाइक सीजी 07 सी क्यू 3859 को जब्त किया जिसकी कीमत 40 हजार रुपए और गांजा, नगदी रकम 1 हजार रुपए, मोबाइल जब्त किया गया। अपचारी बालक से बिक्री रकम 500 रुपए मोबाइल, 4 हजार रूपये का जब्त किया है। तीनों के पास से सामान कुल 1 लाख 30 हजार 500 रूपये आंकी गई है। प्रकरण के अन्य आरोपी सुपेला निवासी अभिषेक फरार था जिसे भी पुलिस ने पकड़ लिया है। नेवई थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कमल सिंह सेंगर समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

खाते से 1.19 लाख पार

भिलाई। खाते से अज्ञात ने लाखों रुपए का ठगी किया। शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि सेक्टर 9 भिलाई निवासी संजीव जैन का हुडको मंगलवार बाजार में मेरा मोबाइल गुम हो गया था। 18 जुन को अपने गुम हुआ था उसमे बैंक खाते का यूपीआई था। दोबारा उसी नंबर को आबंटन कराया गया। अपने नये सिम लेने के बाद बैंक एकाउंट चेक करने पर खाते से कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ था। लेकिन 19 जुन को 1 लाख रूपये चार बार और दूसरे खाते से 19 हजार 20 रूपये अंकित शर्मा के एकाउंट में ट्रांसफर होना पाया। अज्ञात ने खाते से कुल 1 लाख 19 हजार 20 आनलाईन ठगी किया। युपीआई के माध्यम से ट्रांसफर अंकित शर्मा के एकाउंट में ट्रांसफर होना आया। जबकि पीड़ित अंकित शर्मा नामक किसी भी व्यक्ति को जानता-पहचानता नहीं था।

महिला की जान बचाने वाले पुलिस कर्मचारी सम्मानित

भिलाई। महिला आत्महत्या करने नदी में कूदी जिसे देख डॉयल 112 के पुलिस जवानों ने तुंरत उसे बचा लिया। मिली जानकारी के मुताबिक 25 जुलाई सी 4 रायपुर से दुर्ग जिला के डीपीसीआर को इवेंट मिला कि एक महिला आत्महत्या करने नदी में कूद गई है। सूचना पर बचाव के लिए थाना दुर्ग के चीता 2 को इवेंट पर रवाना किया गया था। मौके पर पहुंचकर महिला को बचाया गया। महिला आत्महत्या करने शिवनाथ नदी महमरा एनीकेट में छलांग लगा चुकी थी। डॉयल 112 के आरक्षक हरीश राव,आरक्षक जी राम, चालक सौरभ कुमार ने महिला को बचाने में मदद की। इस दौरान एसएसपी विजय अग्रवाल ने तीनों को उत्कृष्ट कार्य के लिए डीपीसीआर प्रभारी की उपस्थिति में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है।

रिसाली निगम को बीएसपी से इसलिए 151.46 एकड़ जमीन हस्तांतरण जरूरी

बगैर जमीन नहीं बनेगा 100 बिस्तर अस्पताल, 100 करोड़ का वीटीपी और 4.65 करोड़ का कॉलेज भवन

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

रिसाली निगम गठन को चार साल हो रहे हैं। शहर का यह ऐसा पहला निगम हैं जिसका 90 फीसदी हिस्सा बीएसपी की जमीन पर है। इसलिए राज्य सरकार ने बीएसपी से अपनी भूमि वापस मांगी जो उन्होने बीएसपी निर्माण के दौरान दी थी। सेल द्वारा ही ये जमीन हस्तांतरण होना है। वर्ष 2022 में 290.26 एकड़ जमीन राज्य सरकार को हस्तातंरण का उल्लेख है। जिसमें से 151.46 एकड़ भूमि में सहमति लंबित है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बीएसपी से जमीन हस्तातंरण की प्रत्याशा में निगम विकास का रोडमैप तैयार किया और करोड़ों रुपए मंजूर भी कर दिए। कांग्रेस की सरकार बदल गई लेकिन जमीन रिसाली निगम को नहीं मिली। वर्तमान में राज्य में भाजपा की सरकार है और भाजपा के ही सांसद विजय बघेल ने तीन दिन पहले लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया। हर बार की तरह आश्वासन मिला है। यदि जमीन हस्तातंरित नहीं हुई जो रिसाली निगम का विकास ही रूक जाएगा।इसलिए कि बिना हस्तातंरण के न 100 बिस्तर अस्पताल बन पाएगा और न ही 100 करोड़ के पेयजल योजना का फिल्टर प्लांट। 4.65 करोड़ के कॉलेज भवन और 50 लाख के ऑडिटोरियम केवल जगह की वजह से अब तक नहीं बन सका है।

टंकी मरोदा स्कूल में इस तरह चल रहा कॉलेज

इन बड़े प्रोजेक्ट के लिए जमीन है जरूरी

1 100 बिस्तर अस्पताल

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रवासियों के लिए 100 बिस्तर का सामुदायिक अस्पताल भवन का निर्माण होना है। इसके लिर 2.50 एकड़ की जमीन चाहिए। पैसा भी स्वीकृत हो चुका लेकिन जमीन राज्य शासन का नहीं है। वर्तमान स्थिति यह है कि 110 बिस्तर की जगह केवल 30 बिस्तर का अस्पताल अस्थाई रूप से बीएसपी के बंद रूआबांधा हेल्थ सेंटर में चल रहा है। यहां मरीज भर्ती तक नहीं किए जाते। केवल औपचारिक रूप से ओपीडी चलाई जा रही है।

2 स्कूल में चला रहे कॉलेज

शासकीय नवीन महाविद्यालय का संचालन वर्ष 2022 से किया जा रहा है। पांच एकड़ की जमीन कॉलेज के लिए चाहिए। 4.65 करोड़ रुपए भी कॉलेज भवन निर्माण के लिए मिल चुके हैं। जगह नहीं मिलने की वजह से यह कॉलेज शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मरोदा टैंक की कक्षाओं को अधिग्रहित कर चलाया जा रहा है। विद्यार्थियों का एक स्नातक बैच भी स्कूल में ही पढ़कर निकल चुका लेकिन भवन के लिए जमीन नहीं मिली। इस हालात में यहां विद्यार्थी भी अब कम हो रहे हैं।

3 ऑडिटोरियम और इंडोर स्टेडियम

रिसाली निगम द्वारा रिसाली सेक्टर एरिया में ऑडिटोरियम व स्टेडियम निर्माण के लिए भूमि चिहिंत की गई है। एक ही छत के नीचे ही लोगों को सभी तरह की सुविधाएं मुहैया करवाने ऑडिटोरियम के लिए एक एकड़ जमीन की जरूरत है। इसी तरह खेलकूद के लिए इंडोर स्टेडियम बनाना है। ऑडिटोरियम के लिए 5 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। रिसाली सेक्टर के रावणभाठा मैदान में यह ऑडिटोरियम बनने के लिए स्थल चयन किया गया लेकिन निर्माण नहीं होने से यहां अन्य गतिविधियां संचालित हो रही है।

100 करोड़ का वीटीपी

रिसली निगम 40 वार्ड के लोगों को पेयजल मुहैया करवाने के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना है। इसलिए कि वर्तमान में यहां के लोगों को भिलाई नगर निगम के 66 एमएलडी फिल्टर प्लांट से उधारी मांगकर पानी पिला रहा है। स्वयं का अपना वीटीपी निर्माण के लिए स्टेशन मरोदा में जगह चिहिंत की गई है। यहां 100 करोड़ की लागत से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाना है लेकिन जगह नहीं मिली।

2.75 करोड़ का प्रोजेक्ट सेक्टर एरिया में रूका

बीएसपी से जमीन हस्तांतरण नहीं होने की वजह से रिसाली निगम के सेक्टर एरिया में 2.75 करोड़ के सौदर्यकरण व विकास कार्य रूके हुए हैं। इस रकम से 9 विकास कार्य किया जाना है। निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग को पैसा तीन साल से मिल चुका है। डीपीएस चौक से लेकर रिसाली गांव तक मुख्य मार्ग तक ये कार्य होना है। नेताओं ने करोड़ों के विकास कार्य के लिए भूमिपूजन कर दिया। कब्जे की वजह से इन विकास कार्य को शुरु नहीं किया जा सका है।

बीएसपी के स्वास्थ्य केंद्र में संचालित सीएचसी रिसाली

पट्टा वितरण व पीएम आवास योजना प्रभावित

बीएसपी से जमीन नहीं मिला तो यहां के लोगों को पट्टा वितरण नहीं हो पाएगा। पट्टा वितरण की घोषणा भी सांसद विजय बघेल ने चार महीने पहले कर चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी हितग्राहियों को नहीं मिल पा रहा है। जमीन मिलेगी तो पीएम आवास स्टेशन मरोदा क्षेत्र में निर्माण किए जाने की योजना है।

जल्द ही प्रक्रिया होगी पूरी

रिसाली निगम बीएसपी क्षेत्र की जमीन पर है। वर्ष 2022 में ही राज्य सरकार और बीएसपी के मध्य जमीन हस्तातंरण के लिए एमओयू हो चुका है। सेल की बैठक में सहमति होने की जानकारी भी बीएसपी ने दी है। मैने लोकसभा में भी यह मुद्दा उठाया। सवाल के जवाब में सेल द्वारा प्रक्रिया जल्द पूरी होने की जानकारी दी गई है। जमीन मिलेगी तो विकास कार्य पूर्ण होंगे। - विजय बघेल, सांसद दुर्ग लोकसभा

मलपुरी से गोढ़ी नाला उफान पर

रास्ता बंद, स्कूल नहीं जा पा रहे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

■ जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने किया निरीक्षण

मलपुरी खुर्द से डुमर मार्ग बेहद खराब स्थिति में है। हालत ऐसी है कि गोढ़ी नाला के पास बारिश के बाद पानी जमा होने से मार्ग अवरुद्ध हो जा रहा है। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद से नाला बंद है। इस वजह से मलपुरी खुर्द के बच्चे पढ़ने के लिए स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इतना ही नहीं मलपुरी खुर्द से डुमर मार्ग का निर्माण पिछले करीब 15 साल से नहीं हुआ है। खस्ता हाल सड़क के कारणों लोगों को आवाजाही में खासी परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं मार्ग का करीब 1400 मीटर हिस्सा पीएमजीएसवाई और बाकी हिस्सा पीडब्लूडी ने निर्माण किया था। वर्तमान में पेचवर्क से मार्ग चल रहा है। इसकी भी क्वालिटी बेहद खराब है, महीनेभर में पेचवर्क उखड़ रहा है। जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने इस मार्ग का निरीक्षण किया। इसके बाद इस पूरे मामले में का खुलासा हुआ है। उन्होंने विभागीय एसडीओ और एई को बुलाकर फटकार लगाई। साथ ही मामले को सामान्य सभा में रखे जाने की बात कही।

जिम्मेदारों की चुप्पी की वजह से अफसरों हौसले बुलंद

जिला पंचायत के पूर्व सदस्य जयंत देशमुख ने बताया कि जिम्मेदारों की लापरवाही से व्यवस्था लगातार बिगड़ते जा रही है। गोढ़ी नाला बंद होने से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, जिला प्रशासन क्या कर रहा है। जिला पंचायत की अध्यक्ष ने क्या व्यवस्था की। जिम्मेदारों की चुप्पी से अफसरों के हौसले बुलंद हैं। कहीं कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। व्यवस्ता में जल्द सुधार नहीं हुआ तो जिला पंचायत अध्यक्ष का घेराव किया जाएगा।

बाढ़ में बहे युवक का शव चौबीस घंटे बाद मिला

मृतक राकेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ बचाने कूदा था युवक, कुम्हारी थाना क्षेत्र की है घटना

बाढ में फंसे लोगों को बचाने कूदे युवक की लाश एसडीआरएफ की टीम ने खोज निकाला है। घटना कुम्हारी स्थुत रामपुर चोरहा नाले का है। जहां अचानक आए बाढ़ में फंसे लोगों की जान बचाने के लिए रामपुर चोरहा कुम्हारी निवासी राकेश बंजारे नामक युवक कूद गया था। तेज बहाव के चलते राकेश बहाव में डूब गया था। शव को 24 घंटे की मशक्कत के बाद बरामद कर लिया गया है। राकेश शनिवार से गायब था, एसडीआरएफ की टीम ने लगातार सर्च ऑपरेशन चलाती रही लेकिन रविवार की दोपहर राकेश का शव मिल पाया।26 जुलाई की सुबह 11 बजे जब कुम्हारी क्षेत्र में भारी बारिश के चलते रामपुर चोरहा नाला उफान पर आ गया। तेज बहाव के कारण तीन लोग नाले में फंस गए थे। मौके पर मौजूद युवक राकेश बंजारे ने बिना देर कर फंसे लोगों को निकालने नाले में कूद गया था। राकेश ने दो लोगों को बाहर भी निकालने में मदद भी की मगर तेज बहाव के बीच खुद का संतुलन खो बैठा और पानी में बह गया। खबर लगते ही मौके पर कुम्हारी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम पहुंची। तुरंत रेस्क्यू अभियान चलाया गया लेकिन राकेश की कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

सिविल कंट्रेक्टर से 35.90 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सिविल कंट्रेक्टर से शेयर मार्केट का झांसा देकर लाखों रुपए का ठगी करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि क्वा नं 4 ए सडक नं 35 सेक्टर 8 निवासी आर रुपेश पी.डब्ल्यू.डी. का सिविल कांट्रेक्टर है। उसके फेसबुक देखने के दौरान कपिल शर्मा शो में एक अभिनेत्री ने Trade Finbridgecapitals.com की जानकारी दे रही थी। पीड़ित ने तब गूगल में कंपनी के बारे में जानने की कोशिश किया। 10 मिनट के भीतर क्वांटम राधिका के मोबा से पीड़ित को कॉल आया ट्रेडिंग करने की इच्छुक होने तक की जानकारी पूछी गई। इच्छा जाहिर करने पर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर अलग अलग खातो में 7 अप्रैल से 25 जुलाई तक खाते से 35 लाख 90 हजार 880 रूपये की आनलाईन ठगी किया गया। यूएसडीटी पर ट्रेडिंग करने खा झांसा देकर पहले 26 हजार लागत लगाकर ट्रेडिंग व्यवसाय शुरु करने की जानकारी दी। फिर फायनेंसियल एडवाइजर रखने की जानकारी दी गई। फिर खाते से अलग-अलग समय पर रुपए ट्रांसफर पीड़ित करते चला गया।

जमीन कारोबारी पर दर्ज हैं 12 अपराध, पासपोर्ट बनाने फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मामले में भी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ सुपेला पुलिस ने शिकायत बाद की कार्रवाई, गलत शपथ देने का मामला

बिल्डर, जमीन कारोबारी और छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता मनोज राजपूत पर सुपेला पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध पंजीबद्ध किया है। अपराध दर्ज करने के बाद से आरोपी मनोज राजपूत फरार हैं। आरोप है कि उन्होंने अपना अपराधिक रिकॉर्ड छिपाकर पासपोर्ट हासिल किया। सुपेला पुलिस ने बताया कि नेहरू नगर निवासी जमीन कारोबारी मनोज राजपूत के खिलाफ कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज है। उनके खिलाफ करीब 12 मामले में विचाराधीन हैं। उन्होंने पासपोर्ट बनाने के लिए गलत जानकारी देकर पासपोर्ट हासिल कर लिया। मनोज राजपूत मूल रूप से मोहन नगर थाना क्षेत्र का निवासी हैं। 4 सितंबर 2023 को जारी पासपोर्ट क्रमांक जेड 731950 हासिल किया। मनोज राजपूत का मूल निवास वार्ड 16 सूर्या नगर सिकोला बस्ती दुर्ग है। उस आधार पर मनोज का आधार क्रमांक 523500538718 है, जिसका थाना क्षेत्र मोहन नगर है। आरोप है कि उन्होंने अपने अपराधों के प्रकरणों को छिपाते हुए अपना पता बदलकर सुपेला भिलाई बताया। मनोज राजपूत को जेएमएफसी साजा न्यायालय द्वारा दोषसद्धि भी किया गया है। बावजूद मनोज राजपूत ने पता की हेराफेरी कर दूसरे थाना क्षेत्र से पुलिस वेरीफिकेशन करवा कर पासपोर्ट तैयार करा लिया। मनोज राजपूत जमीन का बड़ा कारोबारी हैं। उसके खिलाफ अनाचार का प्रकरण दर्ज हैं। वे जमानत पर हैं। जबकि पासपोर्ट बनाते समय पुलिस वेरीफिकेशन आवश्यक है। इधर सुपेला थाने में दर्ज मामले के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में हैं। आखिर कैसे पासपोर्ट के लिए सत्यापन हुआ, और मनोज राजपूत को एनओसी जारी हो गई। बहरहाल इसे लेकर भी जांच शुरू हो गई है। शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

मनोज के खिलाफ थानों में दर्ज है अपराधिक प्रकरण

पुलिस के मुताबिक मोहन नगर थाने में ही अब तक कुल 6 प्रकरण जिसमें सन 2018 को धारा 353, 186, 294, सन 2018 में 420, 292 ग मुनिसिपैलिटी एक्ट, 2024 में धारा 323, 294, 506 बी, 34, और धारा 294, 506 बी, 34, 341, दुर्ग मोहननगर थाना में 2014 में भा. द. सं. धारा 420,और दुर्ग कोतवाली में धारा 294, 506, 186, 353, जेवरा पुलिस चौकी, दुर्ग में 294, 506 ब, 323, और साजा थाने में 2011 में धारा 452, 294, 506 बी 323, थाना देवकर में 2010 में धारा 507, सुपेला थाना में 420, पासपोर्ट एक्ट 12 के तहत अपराध दर्ज है।

जमीन-खरीदी की धोखाधड़ी के 3 केस

बिल्डर मनोज राजपूत के खिलाफ धोखाधड़ी के तीन केस दर्ज हो चुके हैं। पासपोर्ट मामले में भारत सरकार व शासन प्रशासन से धोखाधड़ी का केस सुपेला में दर्ज हुआ है। मनोज पर जमीन हथियाने का भी आरोप है। अवैध प्लाटिंग के आरोप लगे हैं। उस पर दुष्कर्म का भी आरोप है। जीआरपी भिलाई 3 में अपराध दर्ज किया गया है। इसी मामले में धमकी देने पर भिलाईनगर थाने में अपराध दर्ज हुआ। इस प्रकार उस पर करीब 12 मामले दर्ज हैं। मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं। मनोज राजपूत पर पुलिस के साथ मारपीट का आरोप है।

बाउंसरों को रख दादागीरी

आरोप है कि जमीन कारोबारी मनोज राजपूत क्रिमिनल बाउंसरों को अपने साथ रखकर समाज में और लोगाँ के बीच में अपना भय व्याप्त करने की कोशिश करता है। जिला प्रशासन द्वारा खसरा ब्लॉक करने पर भी मनोज राजपूत ने हाईकोर्ट से किसानों के नाम दर्ज जमीन फायदा उठाकर स्टे ले लिया। हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के आधार पर आदेश दिया गया कि छोटे किसान अपने भूमि का विक्रय बिना प्लाटिंग करें बेच सकते हैं। न्यायालय के आदेश का अवहेलना करते हुए भू माफिया मनोज राजपूत किसानों से जमीन लेकर शासन प्रशासन के नाक के नीचे धडल्ले से अवैध प्लाटिंग कर रहा है। इसके अलावा धार्मिक आयोजन कर मनोज अपने अवैध कारोबार को छिपाने का प्रयास करता है।

मामला संवेदनशील है, जांच की जा रही

*पासपोर्ट बनाते समय अपने अपराध प्रकरण की जानकारी नहीं दी गई है। गलत शपथ पत्र पेश किया गया है। मोहन नगर समेत अन्य थानों में कई अपराध दर्ज हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। - **पद्मश्री तंवर, एएसपी दुर्ग***

कड़ी सुरक्षा | आबकारी आरक्षक चयन परीक्षा, 20 से अधिक सवाल छत्तीसगढ़ी में पूछे

गहरे रंग और पूरी आस्तीन पहनकर आए परीक्षार्थियों को लौटाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

व्यापमं द्वारा आयोजित आबकारी आरक्षक चयन परीक्षा में गहरे रंग और पूरी आस्तीन पहनकर आए परीक्षार्थियों को वापस लौटना पड़ा। कपड़े बदल कर आने पर केंद्र में प्रवेश दिया गया। माला, अंगूठी, चूड़े तक उतरवाए गए। प्रवेश पत्र की टाइमिंग और केंद्र में प्रवेश की टाइमिंग भी अलग थी।हालांकि इन सबको लेकर व्यापमं ने साफ निर्देश जारी किए थे। उसके बाद भी परीक्षार्थी ये पहनकर आए। जिले के 70 परीक्षा केंद्रों में यह परीक्षा हुई। पीडल्ब्यूडी सहायक अभियंता चयन परीक्षा के दौरान नकल का प्रकरण सामने आने के बाद व्यापमं ने कई कड़े कदम उठाए हैं। इस बार प्रत्येक परीक्षा केंद्रों में परीक्षा के दौरान जैमर लगाया गया था। परीक्षा के पहले प्रत्येक उम्मीदवारों को कड़ी जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। पहले मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। इसके बाद उनके कपड़े, पहनकर आए गहने और अन्य चीजों की जांच की गई।

इन केंद्रों में परीक्षार्थियों को कपड़ा बदलकर बुलाया

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टंकी मरोदा, जेआरडी स्कूल, आदर्श कन्या स्कूल समेत करीब एक दर्जन केंद्रों में कुछ उम्मीदवार आज भी गहरे रंग के कपड़े और पूरी आस्तीन वाली कमीज पहनकर आए थे। उन्हें कपड़े बदलकर आने के लिए कहा गया। परीक्षा सुबह 11 बजे से शुरू हुई, लेकिन उम्मीदवारों को सुबह 8.30 बजे से रिपोर्टिंग करने के लिए कहा गया था। इसकी वजह से गहरे रंग के या फिर पूरी आस्तीन पाली कमीज पहनकर आने वाले उम्मीदवारों को घर भेजकर कपड़ा बदकलकर आने को कहा गया।

5480 परीक्षार्थी गैरहाजिर

जिले से 25,496 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 20,016 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। 5480 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

20 से ज्यादा सवाल छत्तीसगढ़ी में पूछे

परीक्षार्थियों से 20 से अधिक सवाल छत्तीसगढ़ी में पूछे गए। वहीं 90 फीसदी सवाल छत्तीसगढ़ से संबंधित थे। मसलन मच्छर ल छत्तीसगढ़ी मं का कहे जाथे? महाभारत की कथा छत्तीसगढ़ की किस लोक कला से संबंधित है? कान में पहने जाने वाले आभूषण, पं. सुंदरलाल शर्मा द्वारा स्थापित आश्रम का नाम, छत्तीसगढ़ का मानक रूप कैसा है? शुद्ध छत्तीसगढ़ी शब्द, छत्तीसगढ़ का व्याकरण आदि से संबंधित सवाल पूछे गए। इसके अलावा वित्त आयोग के अध्यक्षों को क्रम में व्यवस्थित करना, भारत के बंदरगाहों उत्तर से दक्षिण दिशा क्रम में रखना, जास्कर पर्वत श्रेणी कहां स्थित है, 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं का अनुपात आदि जैसे सवाल पूछे गए।

गांजा बेचते अधेड़ को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। गांजा बेचते पुलिस ने एक अधेड को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पोटिया चौक दुर्ग, शिव मंदिर गार्डन के पास वार्ड 54, पोटियाकला आबादीपारा दुर्ग निवासी शेषनारायण वर्मा उर्फ जुगनू को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने गांजा वजन 1.100 किलोग्राम 5 हजार 500 रूपये, गांजा बिक्री रकम 500, मोबाईल 15 हजार रूपये का जब्त किया है। पदमनाभपुर पुलिस ने उक्त कार्रवाई की है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

खबर संक्षेप

कांग्रेस ने शुरू की बूथ मजबूत करने की कवायद

दुर्ग। पीसीसी के निर्देश पर दुर्ग जिला संगठन में मंडल एवं सेक्टर कमेटियों के पुनर्गठन की तैयारी शुरू हो गई है। जिला प्रभारी और पूर्व मंत्री रवीन्द्र चौबे ने शनिचरी बाजार स्थित कांग्रेस भवन में जिले के नेताओं के साथ बैठक की। प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित अन्य बैठक में मौजूद थे। रवींद्र चौबे ने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने ब्लाक कांग्रेस कमेटियों में संगठनात्मक मजबूती के लिये मंडल एवं सेक्टर कमेटियों का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के शेष 71 ब्लॉक में प्रभारी नियुक्त किया गया है। समन्वय स्थापित करते हुए मंडल कमेटी गठन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बैठक में समिति गठन के निर्देशों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा में बताया गया कि आगामी समय में जिला व ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के समन्वय से मंडल संरचना को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। ज़मीनी स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। बैठक में आशीष वर्मा, कौशल चंद्राकर, अश्वनी साहू, अय्यूब खान, अशोक साहू, कैलाश नाहटा, राजीव गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

जनपद पंचायत के पूर्व सभापतियों ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया दौरा

दुर्ग। जनपद पंचायत दुर्ग के पूर्व सभापति टिकेश्वरी लाल देशमुख

एवं जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि के रूप में विक्की मिश्रा ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने तिरगा, झोला, आलबरस, अछोटी, चिंगरी, भरदा, कोनारी, पीछेगांव आदि गांवों में पहुंचकर नदी से सटे क्षेत्रों की जानकारी ली। इसके बाद जिला प्रशासन को आगाह करते हुए नुकसान होने से पहले राजस्व, कृषि, पीएचई, वानिकी, आपदा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग सहित सभी विभागों को सावधानी एवं उचित करवाई के लिए आग्रह किया।

एसडीएम से मारपीट पर सियासी घमासान, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा-यही है भाजपा का असली सुशासन, बीजेपी अध्यक्ष बोले- मामले में जानकारी लेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले में पदस्थ एसडीएम हितेश पिस्दा के साथ पद्मनाभपुर थाना अंतर्गत पोटिया चौक के पास गाली गलौच और मारपीट के मामले में सियासी घमासान शुरू हो गया है। बता दें कि इस मामले में भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश यादव मुख्य आरोपी है।

आरोप है कि राजनीति धौंस दिखाकर आरोपी ने प्रशासनिक अधिकारी को डराने का प्रयास किया। गाली गलौच कर आरोपी हाथापाई तक उतारू हो गया था। इस मामले में पुलिस ने अपराध भी दर्ज किया है, लेकिन मामले में पुलिस के अफसरों ने भी चुप्पी साध ली है। इधर कांग्रेस ने इस पूरी कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि यही भाजपा का असली सुशासन है, जो प्रशासनिक अफसरों से उनके नेता मारपीट कर रहे हैं। कार्रवाई के नाम पर हल्की धाराएं लगाई गई।

पोटिया के पास एसडीएम हितेश पिस्दा से भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने की थी मारपीट

पुलिस का कहना- आरोपी नशे में चूर थे

इस मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपी नशे में चूर थे, हालांकि डॉक्टरी रिपोर्ट को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि छावनी एसडीएम हितेश पिस्दा ऑफिशियल काम से जा रहे थे। इस दौरान पोटिया चौक पर उनकी कार को नशे में चूर तीनों युवको ने टक्कर मार दी। इसके बाद कार से उतरकर तीनों युवक अपने आप को भाजपा का नेता बातकर एसडीएम के साथ मारपीट करने लगे। गाली-गलौज और मोबाइल छीनने का भी प्रयास किया। एसडीएम ने अपना परिचय भी दिया। इसके बावजूद आरोपी बदतमीजी करते रहे। मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। खबर है कि आरोपी जमानत पर बाहर आ चुके हैं।

सत्ता के नशे में चूर हैं भाजपा के कार्यकर्ता : राकेश ठाकुर

मामले को लेकर ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा के नेता सत्ता के नशे में चूर हैं। विष्णु देव सरकार के सुशासन और अनुशासन पर सवालिया निशान खड़ा हो रहा है। क्या यही विष्णु देव सरकार का सुशासन है ? छत्तीसगढ़ में तो एसडीएम रैंक का अधिकारी भी सुरक्षित नहीं है, तो जनता की सुरक्षा कैसे होगी, इस बात को समझा जा सकता है। हमारी मांग है कि इन गुंडई करने वाले नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया जाए। उन्होंने कहा भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पिछले दिनों राजीव भवन में भी घुसकर तोड़फोड़ की थी। अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

भाजपा अनुशासनात्मक पार्टी, मामले को संज्ञान में लेंगे : कौशिक

दुर्ग जिला भाजपा के अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने इस मुद्दे को लेकर कहा है कि भारतीय जनता पार्टी अनुशासनात्मक पार्टी है । भाजपा का परिवार बढ़ चुका है। यदि कोई घटना इस प्रकार से घटित हुई है तो उसे संज्ञान में लेकर बातचीत के बाद पार्टी हाई कमान को अवगत कराया जाएगा, जैसा निर्देश होगा, वैसी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के ही कार्यकाल में एक आदिवासी अधिकारी के साथ मारपीट की गई थी। यह मामला दो कारों के आपस में टक्कर के बाद आपसी विवाद का है।अनावश्यक तूल दिया जा रहा है।

उजाला वहीं से फूटता है, जहां अंधेरे ने सबसे ज्यादा अपना डेरा जमाया रहा हो

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 124वां एपिसोट रविवार को पूरे जिले के 500 से ज्यादा जगहों पर सुना गया। अलग-अलग जगहों पर लोगों ने मोदी की बातें सुनी। मोदी ने इस दौरान कहा कि कभी-कभी सबसे बड़ा उजाला सबसे बड़े अंधेरे वाली जगह से फूटता है।

इस बात को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने मत्स्य पालन से अपनी बात की शुरुआत की। इसके बाद अलग-अलग विषयों पर अपने विचार रखे। देश-दुनिया में हो रही घटनाओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाली बातों से अवगत कराया। दुर्ग जिले के संयोजक संतोष सोनी ने बताया कि प्रधानमंत्री की मन की बात को सुनने के लिए लोगों में खासी उत्सुकता देखी गई। उनकी बातें शिक्षा, ज्ञान से परिपूर्ण रहें, लोगों को प्रेरणा देती है। भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा महिला स्व सहायता समूह, छात्र-छात्राओं, चिकित्सा क्षेत्र और व्यापारिक व्यक्ति शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 124 एपिसोड को 500 से ज्यादा जगहों पर सुना गया

मिट्टी से कलाकृतियां बनाने वालों ने सुनी मन की बात

मठपारा टप्पा तालाब बस्ती दुर्ग में मिट्टी की कलकृतियां बना कर विक्रय कर अपनी जीविका चलाने वाली मानसरोवर महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने मोदी के मन की बात सुनी। इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनायक ताम्रकार, शीतल जांगिड़, महिला समूह की अध्यक्ष कुमारी ढीमर, लता ढीमर, उर्वशी कुंभकार, मीना कुंभकार सहित अन्य मौजूद थे।

मोदी की बातें प्रेरणादायक : सुरेंद्र कौशिक

प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाली मन की बात के 124 वें एपिसोड वार्ड 16 बूथ क्रमांक 24 में संचालित कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर विधायक गजेंद्र यादव, महापौर अलका बाघमार, अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक सहित अन्य मौजूद थे। सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का हर एपिसोड प्रेरणादायक और आत्मसात करना

वाला होता है। उनके द्वारा हमारे देश की भौगोलिक स्थिति सांस्कृतिक विरासत खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों के बारे में और विभिन्न पहेलियां पर जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी सबसे बड़ा उजाला वहीं से फूटता है, जहां अंधेरे ने सबसे ज्यादा डेरा जमाया हो। ऐसा ही एक उदाहरण है झारखंड के गुमला ज़लि का। एक समय था, जब ये इलाका माओवादी हिंसा के लिए जाना जाता था। बासिया ब्लॉक के गांव वीरान हो रहे थे। लोग डर के साये में जीते थे। रोजगार की कोई संभावना नजर नहीं आती थी, ज़मीनें खाली पड़ी थी और नौजवान पलायन कर रहे थे, लेकिन फिर, बदलाव की एक बहुत ही शांत और धैर्य से भरी हुई शुरुआत हुई।

कैम्प मंडल के वार्ड 30 प्रगति नगर बूथ में भी कार्यक्रम

कैम्प मंडल के वार्ड-30 प्रगति नगर बूथ में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान लोगों ने मोदी की कही बातों में सुना कि एक बार फिर बात होगी देश की सफलताओं की, देशवासियों की उपलब्धि की। पिछले कुछ समय में पूरा देश, खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी की बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर उतरे तो पूरा देश खुशी और गर्व से भर गया। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित मिश्रा ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 11 साल पूरे करने जा रहा है, लेकिन इसकी ताकत और जरूरत आज भी उतनी ही बनी हुई है। भोपाल की सकारात्मक सोच टीम की सराहना की। पीएम मोदी ने बताया कि यह टीम 200 महिलाओं की है, जो 17 पार्कों की सफाई करने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता भी फैला रही हैं। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सत्यादेवी जायसवाल, मोहनीश काले, राहुल झा, जयंत शर्मा, नवीन सिंह, रमेश चौधरी, रितेश शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

ठेकेदारों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए पात्रता शर्तों में किया जाए संशोधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

भिलाई स्टील प्लांट कांट्रेक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बीएसपी प्रबंधन ने नए नियम और शर्तों में संशोधन की मांग की है। एसोसिएशन ने कहा कि हमारे कई वरिष्ठ ठेकेदार पिछले 20 वर्षों से कन्वर्टर शटडाउन से संबंधित विभिन्न कार्यों को सफलतापूर्वक निष्पादित करते आ रहे हैं। हाल ही में लागू हुई नई नीति के अनुसार जो नया अनुबंध मॉडल तैयार किया गया है। इसमें पांच ठेकेदारों के कार्य को मिलाकर एक कॉन्ट्रेक्ट यूनिट बनाया गया है, जिसके कारण हमारे कई वरिष्ठ एवं अनुभवी ठेकेदार नई पात्रता शर्तों को पूरा कर पाने में असमर्थ हो रहे हैं। हमारे ठेकेदारों के कार्य अनुभव एवं संयंत्र परिसर में किए गए लंबे समय के योगदान को ध्यान में रखते हुए कृपया मापदंडों में आवश्यक सुधार किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा, महासचिव विद्या सागर त्रिपाठी, मनीष शर्मा, आर मधुसूदन नायर, राजेंद्र यादव, उमाकांत खंडेलवाल सहित अन्य शामिल हैं।

शासकीय कॉलेज में मनाया विजय दिवस

जामुल। डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय जामुल में 26 वां

कारगिल विजय दिवस मनाया गया । यह दिवस केवल एक युद्ध में मिली जीत का नहीं बल्कि यह हमारे सैनिकों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ बलिदान को याद करने का दिन है यह हमें सीखता है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं । इस दिवस पर महाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें बी.ए प्रथम सेमेस्टर से तान्या चंद्रवंशी, धीरज जांगड़े, कंचन साहू, बीएससी प्रथम सेमेस्टर से मीनाक्षी बर्मन, वीणा, जागृति साहू एवं बीकॉम प्रथम सेमेस्टर से चित्रभानु, नैना देवी शर्मा, चांदनी साहू एवं अर्चिता सिंह ने कारगिल विजय दिवस पर व्याख्यान दिया । इन सभी ने कारगिल के इतिहास, महत्व, कारगिल युद्ध के कारण, युद्ध के परिणाम एवं इसके आयोजन से संबंधित विषय पर बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पीडी सोनकर, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. भावना माहुले, गजेंद्र कश्यप, बलराज ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुसुम को मिला राष्ट्रपति गाइड सम्मान, शहर का बढ़ाया मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

दुर्ग नगर की प्रतिभावान बेटी कुसुम सिन्हा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि लगन, मेहनत और मार्गदर्शन के साथ कोई भी सपना

■ नगर के लिए प्रेरणा बनीं कुसुम

साकार किया जा सकता है। देश के सर्वोच्च स्काउट गाइड सम्मान 'राष्ट्रपति गाइड प्रमाणपत्र को प्राप्त कर कुसुम ने न केवल अपने परिवार, विद्यालय और नगर का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का भी गौरव बढ़ाया।

गौरतलब है कि 22 जुलाई को राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली गोदावरी हॉल में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा चयनित सीमित स्काउट-गाइड प्रतिभाओं को राष्ट्रपति प्रमाणपत्र प्रदान किया। छत्तीसगढ़ से केवल तीन प्रतिभाओं में से एक कुसुम रहीं।

यह सम्मान उन प्रतिभागियों को प्रदान किया गया जिन्होंने 2018, 2019, 2020 और 2021 के चार बैचों की संयुक्त राष्ट्रीय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त की। कुल 480 प्रतिभागियों ने उत्तीर्णता प्राप्त की, जिनमें से हर वर्ष की प्रत्येक श्रेणी स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर से एक-एक चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागी कुल 16 श्रेष्ठ प्रतिभागियों को राष्ट्र स्तर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पिता रामखिलावन सिन्हा और माता देवकी सिन्हा ने हमेशा उन्हें प्रोत्साहित किया। उनके साथ शा. आदर्श कन्या उच्चतर मा. विद्यालय की प्राचार्य डॉ कृष्णा अग्रवाल और यूनिट लीडर देविका रानी वर्मा सेवानिवृत्त शिक्षिका ने उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन में भूमिका निभाई।

अनुशासन और सेवा भाव के चलते मिला सम्मान

कुसुम सिन्हा गयानगर वार्ड 10 निवासी ने वर्ष 2018 में स्काउट गाइड के राष्ट्रपति अवॉर्ड के लिए आवेदन किया था। उन्होंने चरणबद्ध तरीके से सभी आवश्यक ट्रेनिंग, सामाजिक सेवा गतिविधियाँ, शिविर, प्रैक्टिकल परीक्षाएं और मूल्यांकन पूरा किए। उनके उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन और सेवा भावना के चलते उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ।

महापौर पहुंची बधाई देने

इस सफलता पर दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार ने कुसुम सिन्हा के निवास पर पहुंचकर उन्हें शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उनके साथ एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर और पार्षद, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन भी मौजूद रहीं।

बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर का शत-प्रतिशत परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या महाविद्यालय के बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के परिणामों ने एक बार फिर उत्कृष्टता का परचम लहराया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्राओं और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और समर्पण का प्रतीक है। विभागाध्यक्ष केएल राठी ने बताया कि इस सेमेस्टर में कुल 17 छात्राओं ने परीक्षा दी, जिसमें सभी ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल की। विशेष रूप से 6 छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि अन्य 6 छात्राओं ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। इस शानदार उपलब्धि का श्रेय विभाग के समर्पित शिक्षकों वैभव सोनी और दीपक ठाकुर की मेहनत और मार्गदर्शन को जाता है।

जानलेवा गड्ढे से गंभीर दुर्घटना की आशंका, जा सकती है किसी की जान

दुर्ग। साइंस कॉलेज के सामने वायशेप ब्रिज के मुहाने पर जानलेवा गड्ढा हो जाने से कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। छत्तीसगढ़ मंच दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने इस संबंध में जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन एवं संबंधित विभाग से वायशेप ब्रिज के मुहाने पर हुए जानलेवा गड्ढे को तत्काल पाटने की मांग की है। मंच के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने बताया कि इस खतरनाक गड्ढे से कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। तथा किसी की जान भी जा सकती है। गड्ढे में पानी भरने से यह गड्ढा दिखाई नहीं देता। फिलहाल इस स्थान पर बैरिकेट्स रखा गया है। छत्तीसगढ़ मंच के दिनेश जैन, रमन सिंह, गुलाब चौहान, ललित वर्मा, युनुस चौहान, त्रिलोक सोनी, संजय खंडेलवाल, हरीश सोनी, अनिल शर्मा, गुरमीत सिंग भाटिया, बाबू भाई सहित अन्य लोगों ने साइंस कॉलेज के सामने वायशेप ब्रिज के मुहाने पर हुए जानलेवा गड्ढे को तत्काल पाटने की मांग जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन एवं संबंधित विभाग से की है।

न्यायाधिपति ने न्यायिक व्यवस्था की गुणवत्ता पर जताया संतोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधिपति पीपी साहू पोर्टफोलियो जज द्वारा जिला न्यायालय दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के पूर्व सर्किट हाउस में जिला न्यायालय दुर्ग के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पोर्टफोलियो जज की अगवानी की गई। उक्त भेंट में पोर्टफोलियो जज द्वारा जिले के कलेक्टर से नवीन न्यायालय भवन के संबंध में भूमि आबंटन तथा न्यायाधीशों के आवास हेतु भूमि आबंटन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पश्चात पोर्टफोलियो जज का न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं तथा न्यायिक कर्मचारियों ने स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की । जिसमें वर्तमान में जारी स्पेशल मीडिएशन ड्राइव मध्यस्थता राष्ट्र के लिए तथा आगामी नेशनल लोक अदालत को लेकर भी चर्चा की गई। विभिन्न न्यायालयों, डिजिटाइजेशन सेंटर, परिवार न्यायालय,

■ न्यायमूर्ति ने किया जिला न्यायालय का वार्षिक निरीक्षण

विशेष न्यायालय, किलकारी कक्ष, नवीन सभागार, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, अधिवक्ता कक्ष एवं ज्यूडिशल सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति ने न्यायालय की कार्यप्रणाली, लंबित मामलों की स्थिति, न्यायिक अधिकारियों के कार्य निष्पादन तथा न्यायालय परिसर की भौतिक संरचना का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पोर्टफोलियो जज के द्वारा अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को किसी भी प्रकार से होने वाली असुविधा के निवारण हेतु संबंधित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को यथासंभव शीघ्र अधोसंरचना से संबंधित कार्य नियमानुसार पूर्ण करने तथा बेहतर सुविधा व त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

ननकट्टी में महिला समूह का गठन कर महिलाओं को रोजगार से जोड़ा

आत्मनिर्भर महिला: मटेरियल बेचकर बनाया 50 लाख का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

आवास निर्माण में अब तक पुरुषों का बोलबाला रहा है। अब इस काम में महिलाएं भी जुड़ने लगी हैं। ननकट्टी की महिलाओं ने इस ओर आत्मनिर्भरता का कदम बढ़ाया है। महिलाओं ने बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई का काम शुरू किया है। इसमें उनका टर्नओवर 50 लाख के पार पहुंच चुका है।

■ बिल्डिंग मटेरियल के साथ फेब्रिकेशन का कर रही व्यवसाय

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत जनपद पंचायत दुर्ग के ननकट्टी में संचालित आराध्या स्व सहायता समूह ने इस काम की शुरुआत की है। हेमलता साहू ने एक छोटे से काम की शुरुआत की। आज वह गांव की कई अन्य महिलाओं को इस काम से जोड़ चुकी हैं। वर्तमान में बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई के साथ फेब्रिकेशन का व्यवसाय कर रही हैं। हेमलता साहू ने अपने पति के व्यावसाय में पूंजी की आवश्यकता पूरा करने के लिए समूह के माध्यम से ऋण लिया। समूह के माध्यम से पहली बार 60 हजार और दूसरी बार 143000 बैंक लोन लिया। उनके द्वारा इस लोन का उपयोग अंबुजा सीमेंट की डीलरशिप लेने में खर्च किया। वर्तमान में ननकट्टी के 15 किलोमीटर के एरिया में अंबुजा सीमेंट की सप्लाई का काम कर रही हैं।

10 प्रतिशत मार्जिंग में कर रहीं काम, इसलिए डिमांड ज्यादा

जानकारी के मुताबिक हेमलता 10 प्रतिशत के मार्जिंग में काम कर रही हैं। इस वजह से उनकी डिमांड ज्यादा है। वर्तमान में उन्होंने पुनः दो लाख रुपए समूह के माध्यम से कराए जाने वाले बैंक लोन के जरिए व्यापार बढ़ाया है। सीमेंट, सरिया, गिट्टी, रेत और फैब्रिकेशन के कामों के लिए कच्ची सामग्री खरीदकर उनकी सप्लाई कर रही हैं। एक वर्ष में 5 लाख रुपए तक का लाभ अर्जित कर रही हैं। हेमलता ने बताया कि आज उन्होंने समूह के माध्यम से लोन लेकर अपने पति के व्यवसाय में बराबर की साझेदारी को निभाया। एक अच्छा व्यावसाय तैयार किया।

सरकारी आवासों का मिल रहा काम, शासन से मिला सहयोग

हेमलता जेबरा क्लस्टर के ग्रामों में पंचायत के निर्माण कार्यों जनपद के निर्माण कार्यों विशेष कर प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्माण संबंधी सामग्रियों की सप्लाई कर रही हैं। आज वह अपने बेटी को उच्च शिक्षा के तौर पर भारती यूनिवर्सिटी में बीएससी फॉरेंसिक साइंस की शिक्षा दिला रही हैं। अपने बेटे को अपने पारिवारिक व्यावसाय को और अधिक बढ़ने के लिए एमबीए की पढ़ाई कराएंगी। हेमलता ने बताया कि आज वह अपने व्यावसाय में चार से पांच व्यक्तियों को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराती हैं।

जयशक्ति आश्रम निकुम में भगवान दत्तात्रेय महायज्ञ व प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|निकुम

तीर्थराज देवि निकुंभला राजलक्ष्मी मंदिर जय शक्ति आश्रम निकुम संतश्री माताजी निवास में लगातार किए जा रहे यज्ञों की श्रृंखला में एक और महायज्ञ का भव्य आयोजन आगामी क्वांर नवरात्र पर्व पर होने जा रहा है।

जय शक्ति आश्रम निकुम प्रमुख संतश्री माताजी ने बताया कि क्वांर नवरात्र के पावन अवसर पर आश्रम परिसर में राजाधिराज महाराज महायोगी भगवान दत्तात्रेय की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा की जाएगी। इसके साथ ही 22 सितंबर से 30 सितंबर 2025 तक दत्तात्रेय महायज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक महायज्ञ में पूर्णाहुति दी जाएगी।

22 से 30 सितंबर तक चलेगा महायज्ञ व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

भगवान दत्तात्रेय की महिमा

भगवान दत्तात्रेय सृष्टि के संचालन करने वाले तीनों देव ब्रम्हा, विष्णु और महेश के संयुक्त अवतार माने जाते हैं। तीनों ईश्वरीय शक्तियों से समाहित महाराज दत्तात्रेय की आराधना बहुत ही सफल और जल्दी से फल देने वाली मानी जाती है। भगवान दत्तात्रेय आजन्म ब्रम्हाचारी, अवधूत और दिगम्बर रहे।

सभी धर्मों में दत्तात्रेय को श्रेष्ठ स्थान

संतश्री माता जी ने बताया कि सभी धर्मों में भगवान दत्तात्रेय को श्रेष्ठ स्थान दिया गया है। हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सभी धर्मों में किसी न किसी रूप में भगवान दत्तात्रेय को मानते हैं। श्वेतांबर और दिगंबर भी मानते हैं। सांई भी भगवान दत्तात्रेय के भक्त थे। इनका उल्लेख करना भी अतिश्योक्ति होती है।

महायज्ञों का स्त्रोत है जयशक्ति आश्रम

दुर्ग जिले के ग्राम निकुम में स्थित जय शक्ति आश्रम महायज्ञों का ऐसा स्त्रोत है जहां से अध्यात्म की अविरल धारा बहती चली आ रही है। आश्रम प्रमुख संतश्री माताजी के मार्गदर्शन में 1983 से लगातार धार्मिक और अध्यात्मिक आयोजन होते आ रहे हैं। भव्य राजलक्ष्मी महायज्ञ, अभिजीत महायज्ञ, महागणति महायज्ञ, समुद्रमंथन अमृतकलश महायज्ञ, राजसूय महायज्ञ जैसे अनेक अदभुत धार्मिक और अध्यात्मिक अनुष्ठान हुए हैं, जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं तो फलित हुई ही हैं साथ ही इनमें विश्व का कल्याण भी निहित है। इसी कड़ी में हाल ही में अप्रैल माह में भगवान वीरभद्र महायज्ञ का भी आयोजन किया गया था, जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

परिसर का अलौलिक और मनमोहक स्वरूप

संतश्री माताजी ने बताया कि इस भव्य आयोजन को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके तहत निकुंभला देवि राजलक्ष्मी मंदिर, भगवान दत्तात्रेय से मंदिर व संपूर्ण मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार किया गया है। नई साज सज्जा के साथ रंगरोगन भी किया गया है। आश्रम पसिर को पहले से अधिक अलौकिक और मनमोहक स्वरूप दिया जा रहा है। क्रमशः

खबर संक्षेप

पर्यावरण धाम अमेरी में लोगों ने सुनी मन की बात

पाटन। ग्राम अमेरी के पर्यावरण मंदिर प्रांगण में मंदिर समिति के सदस्यों, भाजपा कार्यकर्ताओं एव ग्रामवासियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की जनता के साथ माह के अंतिम रविवार को की जाने वाली संवाद "मन की बात" कार्यक्रम की 124 वीं कड़ी सुनी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने एक पेड़ मां के नाम के तहत 11 पीपल एव 3 बरगद के पौधे का पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत पाटन की पूर्व अध्यक्ष एव विधानसभा पाटन के मन की बात कार्यक्रम की प्रभारी हर्षा चंद्राकर, उत्तर मंडल के पूर्व अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर, रवि चंद्राकर, मनीष कोशले, महंत द्वारिका दास, प्रीतम सिंह ठाकुर, अर्जून सिंगौर, आनंदी साहू, चंद्रपाल गेन्द्रे, सुनेत यादव महेंद्र देशमुख, विनोद सिंग, रामाधीन साहू, अनिल कोसले, भानुप्रताप कोसले, ओमकार ठाकुर, जामवंत यादव, जय प्रकाश बघेल, घनश्याम साहू, खेलन साहू, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व नागरिकगण उपस्थित रहे।

हरेली महोत्सव में विधायक व जनप्रतिनिधियों ने की हल पूजा

हरेली में बस्तर नृत्य और पारंपरिक खेलों ने बांधा समां, विजेताओं को बांटे उपहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶|उतई

हरेली त्यौहार के उपलक्ष्य में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के आदर्श ग्राम कोड़ियि में शौर्य युवा संगठन व गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में हरेली महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर थे। अध्यक्षता शौर्य संगठन अध्यक्ष फलेंद्र पटेल ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, जिला पंचायत सभापति श्रद्धा साहू, पूर्व जिला पंचायत सभापति योगिता चंद्राकर, सेवक जन फाउंडेशन अध्यक्ष विकास जायसवाल, अभिषेक यादव, छग क्रांति सेना जिला अध्यक्ष ऋषि साहू, छाया विधायक कामेश साहू, सरपंच खुमान निषाद, उपसरपंच कुलेश्वर निर्मलकर, पूर्व प्राचार्य अनिल कुमार गुप्ता, चुन्नीलाल चंद्राकर, जेपी दीपक, बालक दास, शौर्य संगठन उपाध्यक्ष चिरंजीव निषाद, सचिव आदित्य भारद्वाज, राधेलाल साहू, दिनेश दीपक, उमेश साहू, मलेश निषाद, गोवर्धन साहू, पुराणिक यादव, रामचरण भारद्वाज, खुमान भारद्वाज, लक्ष्मीनारायण साहू, संदीप यादव, मोती साहू, विजय पटेल सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

शौर्य संगठन के अध्यक्ष फलेंद्र पटेल व सरपंच खुमान निषाद ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के सम्बंध में जानकारी दी। कहा संगठन द्वारा इस वर्ष हरेली महोत्सव का ग्यारहवाँ आयोजन किया गया। इस आयोजन में फुगड़ी, फुग्गा फोड़, गेड़ी दौड़, रस्साकसी, सुरीली कुर्सी, नारियल फेंक, छत्तीसगढ़ी व्यंजन सजाओ प्रतियोगिता, बइला सजाओ, मटकी फोड़ व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विधायक ललित चंद्राकर सहित सभी अतिथियों ने हल पूजा कर ग्रामीणों को हरेली की बधाई दी।विधायक ललित चंद्राकर ने हरेली की शुभकामनाएं देते हुए कहा आने वाली पीढ़ी की सुनहरे भविष्य के लिए एक पेड़ मां के नाम व एक सोखता संतान के नाम मुहिम में योगदान बहुत आवश्यक है। दुर्ग जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी ने नवाचार पहल के सफल संचालन के लिए हार्दिक बधाई। कार्यक्रम का संचालन संगठन सचिव आदित्य भारद्वाज एवं आभार सरपंच खुमान निषाद ने किया। खेल प्रतियोगिता के प्रायोजक के रूप में साहू श्रृंगार कोड़यि, निर्मल किराना कोड़यि, श्री अष्टविजय मूर्तिकला केंद्र कोड़यि, श्रीराम किराना स्टोर्स कोड़यि, नेहा इंटरप्राइजेज बोरसी, दीपक ऑटो सर्विस बोरसी, वंदना ऑटो सर्विस बोरसी, कबीर फोटो फ्रेमिंग बोरसी, लीलाधर साहू, टिकेश्वर निषाद, रामरतन साहू, डॉ सरोज साहू, गोविंद देशमुख, जागेश्वर साहू, कन्हैया साहू, सिया एवं गौरव साहू ने सहयोग दिया। कार्यक्रम में चिरंजीव, यादवेंद्र, रवि, पंकज, छगन, दीपक, ईशु, तोपेन्द्र, सुरेश, आनंद, लक्ष्मी, ममता, आरती, अंजू, जामनी, जामिन, राजस्क्रीन बोरसी, ग्राम पंचायत के सभी पदाधिकारियों व शौर्य युवा संगठन के सदस्यों ने सराहनीय योगदान दिया।

परंपरागत त्यौहारों के संरक्षण की जरुरत बताई अतिथियों ने

विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में सभी प्रतियोगिताओं के सभी वर्ग के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया जिसमें क्रमशः फुगड़ी में दृष्टि साहू व खेमलता विश्वकर्मा, रस्साकसी महिला वर्ग में सरोजनी निषाद ग्रुप व आरती ग्रुप, पुरुष वर्ग में आशीष निषाद ग्रुप व सोमन ग्रुप, फुग्गा फोड़ महिला वर्ग में पुन्नी बाई यादव व दिव्या साहू, पुरुष वर्ग में खोमलाल व पुकेश्वर साहू, सुरीली कुर्सी महिला वर्ग में धनेश्वरी निषाद व भुनेश्वरी निषाद, पुरुष वर्ग में सनत पटेल व दिलीप यादव, बालिका वर्ग में यामिनी व हीना यादव, बालक वर्ग में करन व हर्ष वैष्णव, बइला सजाओ में नारियल फेंक महिला वर्ग में हिरौंदी साहू व शशिकला साहू, पुरुष वर्ग में आशीष निषाद व सोमन यादव, छग व्यंजन सजाओ प्रतियोगिता में चंद्रिका यादव, हेमलता साहू शामिल थी।

अंचल की खबरें

जवाहर उत्कर्ष योजना में चयनित हुई ऐश्वर्या

सेलूद। शासकीय प्राथमिक विद्यालय, अमेरी संकुल केंद्र- घुघुवा विकासखंड- पाटन से कक्षा- पांचवी की छात्रा ऐश्वर्या ठाकुर का जवाहर उत्कर्ष योजना में चयन हुआ है। मनोज कुमार और श्रीमती उषा की बेटी की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधान पाठक अरूण कुमार मरकाम, नोडल शिक्षक शिक्षादूत आदित्य नारायण वर्मा ,श्रीमती टिकेश्वरी वर्मा, साखीराम साहू शिक्षादूत, प्र.पाठक देवलाल पटेल शिक्षक मुकेश कुमार वर्मा, संकुल समन्वयक खिलेश वर्मा , रश्मि वर्मा, , लक्ष्मी चन्द्राकर ने शुभकामनाएं दी है। इससे पूर्व इस विद्यालय से दो बच्चों का जवाहर उत्कर्ष हेतु और एक बच्चे का नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है।

कांवड़ लेकर आज टोलाघाट पहुंचेंगे शिवभक्त

पाटन/ सेलूद। बोल बम कांवड़ यात्रा समिति पाटन क्षेत्र के संयोजक जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में प्रति वर्षनुसार 28 जुलाई को भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। समिति के संयोजक जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में सभी शिवभक्त पाटन ओग्गर तालाब में विराजमान भगवान शंकर की पूजा अर्चना कर सुबह 8:00 बजे जल लेकर बोल बम के जयघोष के साथ टोलाघाट के लिए निकलेंगे। संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालु पाटन के ओग्गर तालाब से पवित्र जल भरकर भगवान शिव को अर्पित करने के लिए टोलाघाट की ओर कांवड़ लेकर पैदल यात्रा करेंगे। एक मुठ्ठी दान भगवान शंकर के नाम से एकत्र दान (चावल) से महाप्रसाद बनेगा। जिसे प्राप्त करने के लिए हजारों श्रद्धालु टोलाघाट में प्राप्त कर पुण्यलाभ कमाएंगे। संयोजक वर्मा ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य कार्य में सहभागिता निभाएं और शिव आराधना के इस महासंगम का हिस्सा बनें।

बोहारडीह के ग्रामीण शामिल होंगे कांवड़ यात्रा में

सेलूद। पाटन से टोला घाट तक 28 जुलाई को निकाले जाने वाली कांवड यात्रा में बोहारडीह के ग्रामीण भी शामिल होंगे। इसी कडी में ग्राम बोहारडीह के प्रभारी गांधीराम साहू ने गांव–गांव व घर–घर जाकर कांवर यात्रा के लिए आमंत्रित किया। टोलाघाट में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगायिका पायल साहु लोककला मंच ननकट्ठी की भक्तिमय एवं अनुपम प्रस्तुति का भव्य आयोजन भी रखा गया हैं।

डाक कांवड़ यात्रा 4 अगस्त को

अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में डाक कांवड़ यात्रा 4 अगस्त को सुबह 6 बजे निकलेगी। लौटने पर दोपहर 12 बजे से महाराज द्वारा विधि विधान के साथ पूजा पाठ अभिषेक एवं हवन होगा। फिर महावीर उद्यान में खिचड़ी प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस डाक कांवड़ यात्रा मे मुख्य रूप से दरबार के लक्ष्मण बाबा,विनोद साहू, राजू यादव,मनसुखा साहू, मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरिहा, भोलू साहू, खिलेश्वर साहू, गुलाब साहू, योगेश साहू, कल्याण देवांगन, मारियल साहू, वासुदेव सप्रे, उमेश साहू, दिनेश साहू, जीवराखन, ठेकेदार बाबू लाल साहू, नंद पंडा, ओमकार साहू, कुंभकरण पटेल, धनराज साहू, डॉ धनेशवर साहू, राजेंद्र चंद्राकर और ललित साहू आदि भक्तगण बड़ी संख्या में शामिल रहे हैं। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधि चन्द्रकांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

निधन

टेमन निर्मलकर

भिलाई। जामुल पुरानी बस्ती संतोषी चौक निवासी टेमन निर्मलकर 27 वर्ष का आकस्मिक निधन शनिवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 27 जुलाई को जामुल के स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे नीलकंठ निर्मलकर के पुत्र एवं प्रकाश, पन्ना लाल, यशपाल, प्रदीप एवं पुष्कर निर्मलकर के भाई थे।

डुंडेरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

उतई। डुंडेरा, जोरातराई के भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात एपिसोड 124 सुनी। इस दौरान कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। डुंडेरा भाजपा सक्रिय युवा कार्यकर्ता केशव महिपाल, बूथ अध्यक्ष रंजना मानिकपुरी, अंजू देवगन, लता ठाकुर, तमिल निषाद, दामिन साहू कामता साहू जनता बाई साहू, योगेश धनकर, योगेश महिपाल, नरसिंग ठाकुर ,जीवधन प्रसाद साहू , हिंछाराम महिलांगे, वासु साहू , संतोष यादव, भुमि देवांगन, नरगिस मानिकपुरी, मोनिका साहू, तन्मय महिलांगे, नेध कुमार महिलांगे, राहुल कुमार एवं खिलेश्वर सहित ग्रामीणों और नन्हे मुन्ने बच्चों ने भी प्रधानमंत्री की मन की बात सुनी।

शराब भट्टी के विरोध में डटे ग्रामीण कांग्रेस ने भी दिया अपना समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶|पाटन

■ धरना स्थल पर ग्रामीणों को समर्थन देने पहुचें कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर

नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र के ग्राम खुड़मुड़ा में खोली जा रही शराब दुकान का विरोध ग्रामीण खुलकर कर रहे है। ग्रामीण धरने पर बैठे हुए है और मांग कर रहे है कि शराब दुकान न खोली जाए।

ग्रामीणों के समर्थन में रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर धरना स्थल ग्राम खुड़मुड़ा पहुँचे। उन्होंने ने धरना स्थल से ही सभा को संवोधित कर भाजपा को जमकर खरी-खोटी सुनाई। श्री ठाकुर ने कहा की एक तरफ भाजपा की सरकार 10463 स्कूल बंद कर गरीब व जरूरतमंदों को शिक्षा से दूर कर रहा है वही दूसरी तरफ पूरे प्रदेश में शराब दुकान खोलकर प्रदेश को नशे में डूबाने का कार्य कर रहा है। पूर्व में भी भाजपा सरकार द्वारा यहां शराब भट्टी खोले जाने की पूर्ण तैयारी की जा चुकी थी लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के विरोध के बाद शराब दुकान नही खोली जा सकी थी।

श्री ठाकुर ने धरना स्थल पर ही ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि इस लड़ाई में कॉंग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी है और शराब दुकान के विरोध में प्रत्येक लड़ाई लड़ने तैयार है साथ ही यह भी कहा कि जब एसडीएम पाटन द्वारा शराब भट्टी नही खोले जाने लिखित में आश्वासन नही दिया जाता, यह लड़ाई जारी रहेगा। इस दौरान मोनू साहू, धर्मेंद्र साहू युवा नेता, ओंकार घिंघोडे, पार्षद घनश्याम साहू, ईश्वरी सोनकर, रूपनारायण सोनकर, मनीष साहू, दीपक घिंघोडे नेता प्रतिपक्ष, पार्षद भेज सोनकर, डिक्कू सोनकर, शीतल सोनकर, संजू सोनकर, महेंद्र साहू, रामकुमार सोनकर, जय साहू, तोरण साहू, राजा चंद्राकर, राजू सोनकर एवं हजारो की जनसमूह मौजूद थे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक ज़ेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, दिवाली व शादी विवाह के सीजन को देखते हुए लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुमीत बाज़ार में भारी छूट सिर्फ 31 जुलाई तक, अंतिम 4 दिन शेष

भिलाई। सुमीत बाज़ार में चल रही 'अपटू 50% ऑफ की विशेष छूट अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। मेंस वियर एवं साड़ियों पर मिल रही यह विशेष छूट सिर्फ 31 जुलाई तक उपलब्ध रहेगी। ऐसे में खरीदारी के इच्छुक ग्राहकों के पास अब केवल 4 दिन का समय शेष है। ग्राहकों द्वारा इस सेल को जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। खरीदारी का उत्साह सुमीत बाज़ार के सभी ब्रांचों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पारंपरिक से लेकर वेस्टर्न परिधानों तक, सभी वर्गों के लिए विशेष छूटों का लाभ उठाया जा रहा है। सुमीत बाज़ार ने हमेशा की तरह इस बार भी कुछ नया पेश करने का प्रयास किया है, और उसे ग्राहकों से भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। चप्पे-चप्पे में फैली इसकी शाखाओं में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। सुमीत बाज़ार प्रबंधन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं, क्योंकि छूट की यह पेशकश सिर्फ 31 जुलाई तक ही मान्य है। सुमीत बाज़ार है छत्तीसगढ़िया मतलब सबले बढ़िया।

आयोजन 550 महिलाएं और 100 पुरुष संभालेंगे व्यवस्था की बागडोर

सेक्टर 7 में होगा महारुद्राभिषेक, गंगा की तर्ज पर होगी महाआरती

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

श्रावण मास के तीसरे सोमवार के अवसर पर शिवधाम सेवा समिति सेक्टर 7 द्वारा भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह शिव अभिषेक कर महारुद्राभिषेक किया जाएगा। वहीं शाम शाम को गंगा आरती की तर्ज पर महा आरती 1501 महिलाओं द्वारा की जाएगी। साथ ही दोपहर 11 बजे से महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आस पास के साथ ही बाहर से आए लगभग 25 हजार भक्त भोग ग्रहण करेंगे। 10वे वर्ष के इस आयोजन के लिए शिवधाम तालाब व मंदिर को रंग-बिरंगे लाईट व फूलों से दुल्हन का तरह सजाया गया है।

समिति के संरक्षक व एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने बताया कि समिति की 551 महिलाएं एक ही रंग की साड़ी और 100 पुरुष सेम ड्रेस कोड में सावन महोत्सव की पूरी बागडोर संभालेंगे। 25 हजार लोगों के लिए महाभंडारा 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। आयोजन के लिए तालाब परिसर पर आकर्षक रंगीन लाइटिंग से सजावट की गई है। हरिद्वार की गंगा आरती की तर्ज पर शाम को 6 बजे महाआरती लोगों में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी। सुबह 7 बजे से महादेव का महारुद्राभिषेक किया जाएगा वहीं शाम को रायपुर के भजन गायक द्वारा भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है। जिसमें भाग लेने के लिए अन्य राज्यों से भी लोग पहुंचे हुए है और अपनी सेवा दे रहे हैं।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मेसर्स श्री सांईराम राईस मिल द्वारा प्रोप्राइटर सुरेश कुमार जिंदल पिता स्व. दीपचंद जिंदल निवासी- फ्लैट नंबर आई-202, ऋषभ ग्रीन सिटी, फूलगांव चौक, दुर्ग (छ.ग.) से ग्राम - चिंगरी, प.ह. नं. - 00036. रा.नि. मं. - अण्डा, तहसील वो जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित औद्योगिक परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 48/3 रकबा 43040 वर्गफुट अर्थात 0.400 हेक्टेयर भूमि से संबंधित पूर्व मूल विक्रय विलेख दिनांक 29.03.2014 पुस्तक- अ-1, ग्रंथ क्रमांक-289185, पंजीयन क्रमांक - 4072 जिसका पंजीयन उपपंजीयक कार्यालय दुर्ग (छ.ग.) के अभिलेख में दर्ज है कि, मूल प्रति गुम हो गयी है जिसके संबंध में सुरेश कुमार जिंदल पिता स्व. दीपचंद जिंदल द्वारा दिनांक 25.07.2025 को एक लिखित सूचना पुलिस थाना - पुरानी बस्ती जिला रायपुर (छ.ग.) में दर्ज करा दी गयी है ।

यह कि, मेरा पक्षकार मेसर्स श्री सांईराम राईस मिल द्वारा प्रोप्राइटर सुरेश कुमार जिंदल, उपरोक्त संपत्ति को पंजाब नैशनल बैंक, एम.सी.सी. -01, टाटीबंध रायपुर (छ.ग.) में बंधक रखकर व्यवसायिक ऋण प्राप्त करना चाहता है इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, बोर्ड, प्राधिकरण, निगम आदि को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज के इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करें। समाचार पत्र में प्रकाशन के माध्यम से की गई आपत्ति / खण्डन स्वीकार योग्य नहीं होगी। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त, आपत्ति झूठी एवं नाजायज करार दी जावेगी तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

दिनांक :-27.07.2025
रायपुर (छ.ग.)

शशीकांत अग्रवाल (अधिवक्ता)
म.नं. 61/101, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड, दूरीहटरी, पुरानीबस्ती, रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. - 98263-57861

बारह साल से अनुपयोगी पड़ी थी क्रेन, आंतरिक संसाधनों से किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटरिंग प्लांट-3 में स्थित ओपन गैन्ट्री क्रेन के नवीनीकरण कार्य शुरु हो गया। कार्यपालक न राकेश कुमार मुख्य अतिथि थे। सीजीएम प्रभारी के दत्ता, एस. वर्गीस, तथा एसपी-3, एसपी-2 और ओएचपी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

5 टन क्षमता वाली ओपन गैन्ट्री क्रेन वर्ष 2002 में सिंटरिंग मशीन-1 के आरंभिक चरण में स्थापित की गई थी। इसका उपयोग क्षेत्रीय मरम्मत कार्यशाला में मरम्मत किए गए महंगे पुर्जों और उपभोग्य सामग्रियों के भंडारण, स्टैकिंग एवं स्थानांतरण के लिए किया जाता था।

12 वर्षों से यह क्रेन खुले में अनुपयोगी अवस्था में थी। स्क्रैप, कीचड़ एवं मलबे से घिरा यह क्षेत्र एक चुनौती बन चुका था। इसे पुनर्जीवित करने में जीएम आईवी रमना के नेतृत्व में अप्रैल के मध्य में पुनरुद्धार परियोजना आरंभ की गई।

एसपी-3 की ओपन गैन्ट्री क्रेन का नवीनीकरण

टीम वर्क से हुआ कार्य

क्रेन के पुनरुद्धार कार्य में होइस्ट प्रणाली, एलटी एवं सीटी यांत्रिकी, नियंत्रण पैनल का पुनःनियोजन तथा नई विद्युत केबलों की स्थापना सम्मिलित रही। क्रेन का भार परीक्षण व संरचनात्मक मूल्यांकन किया गया। साथ ही पुराने डेक प्लेटों से क्षेत्र की बाड़बंदी, 40 ट्रक धातु स्क्रैप का निष्कासन, पुर्जों एवं उपभोग्य सामग्रियों के लिए नए स्टैंड का निर्माण किया गया। इस कार्य में डीजीएम एमयू.राव, वरिष्ठ प्रबंधक केवल साहू, उप प्रबंधक दिनेश मानिकपुरी, एजीएम दीपक गुप्ता, एससी साहू, डीजीएम एस. के. सत्पथी, उप प्रबंधक आरएल साहू, व वरिष्ठ प्रबंधक जितेश शाहनी सहित टीम का योगदान रहा।

खबर संक्षेप

भाजपा चरोदा मंडल की कार्यकारिणी घोषित

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय की सहमति तथा जिला प्रभारी संदीप शर्मा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के अनुमोदन से मंडल अध्यक्ष ए.गौरी शंकर चरोदा मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। घोषित कार्यकारिणी में पूर्व पार्षद पूर्णिमा ठाकुर और राजेश मौर्य को महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है। चरोदा मंडल भाजपा अध्यक्ष ए गौरी शंकर ने अपनी कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर परमजीत सिंह, श्रीमती प्रमिला तांडी, श्रीमती एम. अरुणा, शिवा पटनायक, महामंत्री श्रीमती पूर्णीमा ठाकुर, महामंत्री राजेश मौर्य, मंत्री वेद प्रकाश पाण्डेय, मलय बेनर्जी, रोहित साहू, श्रीमती रीति वर्मा, कोषाध्यक्ष सनातन ठाकुर, सह कोषाध्यक्ष, दिलीप साहू, कार्यालय मंत्री, टी. रमन्ना, सह कार्यालय मंत्री किशोर साहू, मीडिया प्रभारी जय प्रकाश पाण्डेय, सह मीडिया प्रभारी प्रसुन्न बेनर्जी, सोशल मीडिया प्रभारी अश्वनी जोशी, सह सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती सुजाता डोंगरे, आईटी सेल प्रभारी महेश तिवारी, आईटी सेल सह प्रभारी पार्थो बाघ को बनाया है। नियुक्ति पर मंडल अध्यक्ष ने सांसद विजय बघेल, विधायक डोमन कोर्सेवाड़ा और जिलाध्यक्ष का आभार जताया है।

विडंबना : टाउनशिप में नहीं है बीएसपी का एक भी सामुदायिक भवन

बीएसपी कर्मचारी कहां करें बच्चों का शादी-ब्याह, ले रहे किराए का भवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

वर्षों बाद भी टाउनशिप में बीएसपी का कोई सामुदायिक भवन नहीं होने का खामियाजा हजारों कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। बच्चों के विवाह आदि सामाजिक कार्यक्रमों के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में बीएसपी प्रबंधन उदासीन बना हुआ है। यूनियन ने जल्द सर्वसुविधायुक्त मैरिज भवन निर्माण करवाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि टाउनशिप में पंद्रह हजार बीएसपी कर्मचारियों और अधिकारियों के परिवार सहित बीएसपी से जुड़े लाखों लोग निवास करते हैं। लेकिन कर्मियों के बच्चों के विवाह समारोह आदि आयोजनों के लिए एक भी सामुदायिक भवन नहीं है। पंद्रह साल पूर्व विवाह समारोह के लिए दो भवन थे, जिन्हें बंद कर दिया गया है। सेक्टर 6 चौक पर बीएसपी का दोमंजिला गेस्ट हाउस भवन था, जिसे बीएसपी ने बीएएसएफ के रीजनल हेड क्वार्टर के लिए आवंटित कर रखा है। इसके अलावा सेक्टर 6 पेट्रोल पंप के निकट मंगल भवन था, जिसे भी विवाह आदि पार्टियों के लिए बंद कर पंजाब एंड सिंध बैंक को अलाट किया जा चुका है। इस कारण बीएसपी कर्मियों को अपने बच्चों की शादियां, पारिवारिक व सामाजिक मिलन समारोह आदि पार्टियों के लिए भटकना पड़ रहा है।

खास बातें

- पंद्रह साल पूर्व सेक्टर 6 मंगल भवन और गेस्टहाउस किया बंद
- यूनियनों ने की सर्वसुविधायुक्त भव्य मैरिज भवनों के निर्माण की बीएसपी से मांग
- बारिश और अंधड़ में होती है परेशानी
- बीएसपी प्रबंधन है उदासीन

खुले मैदानों में विवाह समारोह करने हो रहे मजबूर

महंगे निजी मैरिज भवन लेने मजबूर

यूनियनों के मुताबिक बीएसपी द्वारा दोनों भवनों को बंद करने के बाद कर्मियों के सामाजिक समारोहों के लिए अब तक इनकी जगह कोई नया मंगल भवन नहीं बनाये जाने से कर्मियों महंगे निजी भवन आयोजनों के लिए लेने पड़ रहे हैं। परेशानी को देखते हुए जल्द सामुदायिक भवनों का निर्माण करवाए जाने की मांग प्रबंधन से की गई है। स्टील इम्पलाइज यूनियन इंटक के महासचिव वीबी सिंह ने बताया कि प्रबंधन से कर्मियों के बच्चों के विवाह के लिए दो भव्य मेरिज पैलेस बनवाने की मांग की गई है।

बारिश में बढ़ी परेशानी

टाउनशिप में आयोजनों के लिए भव्य व सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन नहीं होने से सबसे अधिक परेशानी बरसात के मौसम में होती है। ठंडी या गर्मी के मौसम में कई कर्मचारी खुले मैदानों में बच्चों के विवाह समारोह आयोजित करने मजबूर होते हैं। लेकिन बारिश में लोगों के भीगने व सामान आदि खराब होने के साथ अंधड़ में पंडाल उड़ने की समस्या होती है। एटक के महासचिव विनोद कुमार सोनी बताते हैं कि साठ साल पूर्व हर सेक्टर में बनाए गए इस्पात क्लब भी छोटे और जर्जर हो चुके हैं। इन्हें आज के अनुरूप निजी भवनों की तरह अपडेट किया जा सकता है। सभी दर्जनभर इस्पात क्लबों का निर्माण 50-60 पूर्व किया गया था। लेकिन अब तक उनका रिनोवेशन नहीं किए जाने और आकार में छोटे होने से आयोजनों के लिए दिक्कतें हो रही है।

चिट्टा के साथ गैंगस्टर दीपक का भाई समेत दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पंजाब के नशे का अवैध कारोबार करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ा है। जिसमें फरार गैंगस्टर दीपक नेपाली का भाई भी शामिल है।

एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड भिलाई में हेरोइन(चिट्टा) के साथ मकान नंबर 7/12 अटल आवास 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड दीपक नायकर , एचआईजी 28/53 कालीबाडी चौक हाउसिंग बोर्ड वैभव सोनी, केम्प-1 18 नंबर रोड भिलाई लुकेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है। तीनों के पास से पुलिस ने 10.55 ग्राम हेरोइन, 2 मोबाईल, 1 कार जब्त किया गया है। कुल कीमत 9 लाख 51 हजार 200 रूपये आंकी गई है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देने पहुंची थी। तीन आरोपी युवक चिट्टा बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश में जुटे रहे। पुलिस को आते देख संदेही युवकों द्वारा भागने का प्रयास किया। जामुल पुलिस ने तीनों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी लुकेश कुमार सिंह फरार गैंगस्टर दीपक नेपाली का भाई है।

बताया जा रहा है कि कांग्रेसी नेता हरिओम सोनी का बेटा शिवम सोनी है। इसके पूर्व भी शिवम को जामुल पुलिस ने चिट्टा मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेश मिश्रा समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

याद किया करगिल में भारतीय सैनिकों का बलिदान

उतई। दाऊ उत्तम साव शासकीय महाविद्यालय मचांदुर जिला दुर्ग में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस एवं व्यास पूजा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीरजा रानी पाठक की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत कारगिल विजय पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई। डॉ. पाठक ने इस दौरान कारगिल विजय में सैनिकों के बलिदान को याद कर युवाओं द्वारा समाज के लिए अच्छे चरित्र का निर्माण करने की बात कही एवं गुरु शिष्य परंपरा पर आधारित व्यास पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर एन. एस. इक्का द्वारा आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. कल्याणी, डॉ. नीलम, सुश्री वर्षा वर्मा सहित स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।

चोरी की बिजली से रोशन हो रही सुपेला सब्जी मंडी की अवैध दुकान, व्यापारियों ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सुपेला में संचालित आकाशगंगा सब्जी मंडी में बेजा कब्जा करके दुकान संचालित किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंडी के दुकानदारों ने समिति के अध्यक्ष से शिकायत करके कहा कि नारायण सिंह वेजिटेबल कंपनी (एनवीसी) के संचालक अमित सिंह ने पार्किंग की जगह पर कब्जा करके दुकान बनाई है। साथ ही चोरी की बिजली का खुलेआम उपयोग कर रहे हैं। इस विरोध के बाद मंडी समिति ने एक बैठक बुलाई। बैठक में निर्णय लिया गया है यदि अमित सिंह खुद से अपना कब्जा नहीं हटाते तो वो निगम से उसे हटवाएंगे। साथ ही एनवीसी के संचालक की सदस्यता मंडी समिति से समाप्त कर दी जाएगी। आकाश गंगा थोक सब्जी मंडी सुपेला के सब्जी विक्रेता संघ के अध्यक्ष रविंद्र सिंह उर्फ रवि ने बताया कि एनवीसी के संचालक अमित सिंह ने पार्किंग की जगह पर अवैध कब्जा करके दुकान संचालित की है। इसका व्यापारी विरोध कर रहे हैं। उनके द्वारा कलेक्टर के द्वारा शुरू किए गए सार्वजनिक प्याऊ और सस्ते दर में खाने की जगह को भी घेर दिया गया है। इतना ही नहीं अपनी अवैध दुकान में उन्होंने बिजली के खंभे से डायरेक्ट हुकिंग करके अवैध कनेक्शन भी ले रखा है। बिजली विभाग के अधिकारी जानकारी होने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुपेला सब्जी विक्रेता संघ के सभी सदस्यों ने 26 जुलाई को इसे लेकर एक बैठक बुलाई है। बैठक में उन्होंने निर्णय लिया है कि एनवीसी कंपनी के संचालक अमित सिंह खुद से अपनी अवैध दुकान को हटा लें। यदि वो नहीं हटाते तो निगम में शिकायत करके संघ उसे हटवाएगा। यदि वो इसका विरोध करेंगे तो उन्हें सब्जी विक्रेता संघ से बाहर कर दिया जाएगा और वोट देने का अधिकार खत्म कर दिया जाएगा।

- मंडी समिति ने बैठक में लिया निर्णय कहा कब्जा नहीं हटा तो समिति से सदस्यता होगी समाप्त

अमित ने कहा- मेरे साथ हटें सभी का अवैध कब्जा

अवैध कब्जा कर दुकान संचालित किए जाने के सवाल पर अमित सिंह का कहना है कि उन्होंने खाली पड़ी जगह पर दुकान बनाई है। वो अवैध कब्जा है, उसमें अवैध बिजली कनेक्शन है। वो सारी बात मानते हैं, लेकिन उनकी दुकान तभी हटाई जाए, जब सब्जी मंडी में बनी सभी अवैध दुकानों को वहां से हटाया जाए।

रजिस्टर्ड दुकान 110 और संचालित हो रही 200 से अधिक

सुपेला सब्जी मंडी को साडा के समय में बसाया गया था। यहां कुल 110 रजिस्टर्ड दुकाने थी, जिन्हें सब्जी व्यापारियों को आवंटित की गई थीं। अब नगर निगम की लापरवाही के चलते इस मंडी में 200 से अधिक दुकानें थोक और फुटकर की संचालित हैं। इससे साफ है कि 110 से अधिक जो दुकाने हैं वो या तो नियम को ताक में रखकर आवंटित की गई हैं, या फिर बेजा कब्जा के तहत संचालित हो रही हैं।

प्रगति भवन से निकली ओए की साइकिल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी साइकिलिंग क्लब और छत्तीसगढ़ साइकिलिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में संडे ऑन साइकिलिंग का आयोजन लगातार 24 वें सप्ताह प्रगति भवन, सिविक सेंटर में किया गया।

- संडे ऑन साइकिल का 24 वां सप्ताह

अध्यक्षता ओए के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर ने की। साइकिल यात्रा शहीद उद्यान होते हुए रेल चौक होते हुए प्रगति भवन में समाप्त हुई। इसमें 100 से अधिक बच्चों ने बीएसपी साइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष एवं ओए अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, बीएसपी साइकिलिंग पोलो क्लब एवं ओए-बीएसपी के महासचिव परविन्दर सिंह एवं महासचिव साइकिलिंग एसोसिएशन, छत्तीसगढ़, विनायक चन्नावर के साथ साइकिलिंग की। कार्यक्रम में पूर्व सीजीएम नंदनवार, साइकलिंग एसोसिएशन ऑफ़ छग, एनआईएस कोच प्रतीक मनोध्या, कोच विकास कुमार, दुर्ग साइकिलिंग एसो. के सचिव देवप्रकाश वर्मा, कोषाध्यक्ष शशांक देशमुख राजेन्द्र जोशी, विजय पांडेय,गौतम आदि उपस्थित थे।

एसएसपी ने क्राइम डायजेस्ट की समीक्षा, पेंडिंग अपराधों को निराकरण करने निर्देश

भिलाई। एसएसपी विजय अग्रवाल ने पुलिस कंट्रोल सेक्टर 6 में क्राइम डायजेस्ट को लेकर समीक्षा बैठक लिया। जिसमें अनुभाग के क्राइम डायजेस्ट के समीक्षा के दौरान एक वर्ष से अधिक लंबित अपराध, चालान, धारा 173(8) जा. फौ./193(9) बीएनएसएस के अंतर्गत लंबित चालानों का शीघ्र निराकरण करने को कहा गया है। इसके अलावा एक्सीडेंट के अपराध में विवेचकों से आई रेड और ईडर के कार्य सप्ताह के भीतर पूर्ण करने को कहा गया है। सड़क हादसों में हिट एण्ड रन के मामलों का भी जल्द निराकरण करने पुलिस अधिकारियों से कहा गया है। जिससे पीडितों को समय पर सहायता राशि मिल सके। अपराध, अपराधियों पर कडी निगरानी रखने, जनसंपर्क बढ़ाने के लिये थाना बीट प्रणाली तैयार कर थाना में पदस्थ सभी अधिकारी, कर्मचारी की कार्य के प्रति जिम्मेदारी तय करने की हिदायत दी गई। बैठक में ट्रैफिक डीएसपी सदानंद विंध्यराज, निरीक्षक अम्बिका प्रसाद ध्रुव, पुलिस अधीक्षक रीडर समेत सभी अनुभाग के रीडर भी मौजूद थे।

तैयारी पेयजल, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, साफ-सफाई से लेकर अन्य बिंदुओं पर की चर्चा

शिवमहापुराण कथा स्थल का कलेक्टर व एसएसपी ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

जयंती स्टेडियम भिलाई में 30 जुलाई से 5 अगस्त तक महा शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन होने वाला है। विश्व विख्यात पंडित प्रदीप मिश्रा महाराज का पावन चरण एक बार फिर भिलाई की पावन धरा पर पड़ने वाली है। जिसकी तैयारियां पूरे जोरों पर हैं। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रविवार को कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं एसएसपी विजय अग्रवाल ने कथा स्थल का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

कथा के मुख्य आयोजक व उप नेता प्रतिपक्ष भिलाई दया सिंह के साथ कलेक्टर ने पूरे पंडाल का निरीक्षण किया। उन्होंने बैठने की व्यवस्थाएं, सुरक्षा, साफ-सफाई, बारिश से बचाव की योजनाएं, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट जैसी सुविधाओं की बारीकी से जानकारी ली। पंडाल में घूमकर उन्होंने स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।इसके पश्चात आयोजन स्थल पर बने कार्यालय में बैठकर कथा के शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और भव्य आयोजन को लेकर लंबी चर्चा की गई।

सभी विभागों के समन्वय से योजना तैयार की जा रही है ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। इस अवसर पर आयोजक दया सिंह ने कलेक्टर एवं एसएसपी को संपूर्ण रूपरेखा की जानकारी दी और बताया कि इस कथा में छत्तीसगढ़ सहित देशभर से श्रद्धालु और संत महात्मा पधारने वाले हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री भी अपने परिवार सहित पधारेंगे, उनके अलावा कई मंत्रीगण और उनकी पूरी परिवार के भी आगमन की संभावना है। वीवीआईपी भी कथा सुनने पहुंचेंगे। इस लिए यहाँ की व्यवस्था को और बेहतर बनाने प्रशासन भी जुटा हुआ है. कथा को ऐतिहासिक, अनुशासित और भक्तिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में प्रशासन और आयोजन बोल बम समिति सक्रिय सदस्य समर्पित भाव से जुटी हुई है।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 28 जुलाई 2025
लाइव
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
7747020002, Message at - 9755819129

04

सावन में दिखेंगी सबसे खूबसूरत जब अपनाएंगी सिंपल ग्रीन लहंगे

लाइव इवेंट

संदीपनी बालक छात्रावास के बच्चों ने दिखाया हुनर, मिला उपहार

भिलाई। शिक्षा के प्रति रुचि जगाने और आत्मविश्वास को मजबूत बनाने जीई फाउंडेशन ने पहल की। संस्था ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित संदीपनी बालक छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों को निःशुल्क जूते, स्कूल बैग, नोटबुक एवं फुटबॉल का वितरण किया। इस प्रेरणादायक पहल का उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना, आत्मविश्वास को सशक्त करना और उन्हें समग्र रूप से सक्षम बनाना रहा। इस दौरान फाउंडेशन के प्रतिनिधि प्रदीप पिल्लै ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब हम किसी बच्चे को एक जोड़ी जूते या एक स्कूल बैग देते हैं, तो हम केवल सामग्री नहीं, बल्कि उसके सपनों में विश्वास और संबल देते हैं। हमारा प्रयास है कि शिक्षा बच्चों के लिए बोझ नहीं, बल्कि उत्सव बने। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जब भी और जहाँ भी जरूरत होगी, वे बच्चों की हरसंभव सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इन उपहार के लिए बच्चों ने जीई फाउंडेशन का आभार जताया और हमेशा मन लगाकर पढ़ने का वादा किया। इस दौरान अनुदेशक द्वय अनीता मिश्रा और स्वेक्षा तिवारी तथा ज़ीई फाऊंडेशन से प्रकाश देशमुख व अजीत सिंह भी मौजूद थे।

सिटी इवेंट

ट्रैफिक रूल का पालन करने वालों को दिया गुलाब और चाकलेट

भिलाई। सामाजिक उत्थान के लिए काम करने वाली संस्था दिशा ने जनहितकारी पहल के अंतर्गत रविवार को भिलाई ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से सेंट्रल एवेन्यू के सेक्टर 7 एवं 8 के मध्य स्थित स्टील क्लब चौक पर आयोजित कार्यक्रम संपन्न हुआ।

■ पंपलेट बांट दूसरों को जागरूक करने दिया संदेश

यह पहल उन बढ़ते खतरों की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई, जिनका संबंध तेज गति से वाहन चलाने, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी एवं सड़क पर असावधानी से हो रहे दुर्घटनाओं से है, जिनमें आमजन को गंभीर हानि एवं जान का जोखिम उठाना पड़ रहा है। इस अभियान में संस्था के कई सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इनमें प्रमुख रूप से राजेश धारकर, रामानुजन राजू, जीएस संधू, बापी दास, शांतनु दासगुप्ता, सुजीत चक्रवर्ती मौजूद थे। सदस्यों ने ट्रैफिक जागरूकता के इस कार्य में न केवल उत्साहपूर्वक भाग लिया, बल्कि सड़क पर उपस्थित नागरिकों को नियमों के प्रति जागरूक करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ट्रैफिक नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों का अभिवादन कर उन्हें गुलाब का फूल एवं चाकलेट दिया। पंपलेट्स वितरण किया। प्ले कार्ड्स, बैनर एवं मौखिक संवाद के माध्यम से ट्रैफिक नियमों के महत्व को समझाया। इस दौरान राहगीरों एवं वाहन चालकों से आग्रह किया गया कि वे हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा एवं संकेतों का पालन करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। इस अवसर पर ट्रैफिक डीएसपी ऋचा मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक जागरूकता अभियान न केवल भिलाई शहर के नागरिकों के लिए एक सशक्त संदेश है, बल्कि यह भी प्रमाणित करता है कि सामाजिक संस्थाएं जब प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करती हैं, तो सामाजिक परिवर्तन की गति निश्चित रूप से तेज होती है।

लाइव इवेंट

संकीर्तन करने वालों को मिलता है शिवलोक में स्थानः धीरेंद्र

भिलाई। प्राचीन शिव मंदिर शिव कोकड़ी में रविवार से शिव महापुराण कथा प्रारंभ हुई।

वृंदावन से आए कथा वाचन 13 वर्षीय बाल व्यास धीरेंद्र महाराज ने शिव महापुराण कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति भगवान शिव का नाम संकीर्तन करता है, उसे भगवान शिव अपने शिव लोग में स्थान प्रदान करते हैं। संगीतमय शिव पुराण कथा में भगवान शिव और माता पार्वती की सुंदर झांकियों का दर्शन कराया गया। श्रावण मास के पावन पर्व पर भगवान भोलेनाथ की कथा का रसपान शिव भक्तों को शिव कोकड़ी मंदिर प्रांगण में कराया जा रहा है। 2 अगस्त तक होने वाली इस महापुराण कथा के यजमान फूलचंद मौर्या एवं धीरेन्द्र महाराज बृजवासी ने पूजन कर कथा प्रारंभ की। इस अवसर पर पंडित गिरीश कटारे, गजानन पटेल, डोमार वर्मा सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे।

● सावन सोमवार के दिन जलाभिषेक के लिए भक्तों ने निकाली जगह-जगह शोभायात्रा

सावन पर जल चढ़ाने शिवभक्तों का रेला, कांवड़ यात्रा में दिखा शिव-पार्वती का प्रेम, भक्त बने भूत-पिशाच

सावन के महीने में भगवान शिव की अराधना में भक्तों का जत्थ निकल पड़ा है। भिलाई-दुर्ग में रविवार को जगह-जगह शोभायात्रा निकाली गई। सुबह 4 बजे से भगवान शिव के भक्त पैदल अलग-अलग देवालयों के लिए निकल पड़े। सुबह करीब 8 बजे खारून नदी के कुम्हारी तट से जत्था शिवनाथ नदी स्थित महमरा एनीकट तट के लिए निकला। जत्थे में सैकड़ों की संख्या में कांवड़ में जल कर अभिषेक के लिए रवाना हुए। इस दौरान भगवान शिव की आकर्षक झांकियों और 1008 मीटर का ऊंचा ध्वज आकर्षण का केंद्र रहा। शाम को जत्था महमरा एनीकट पहुंचा, जहां गंगा आरती की तर्ज पर शिवनाथ नदी की आरती उतारी गई। आकर्षक आतिशबाजी की गई। रविवार को एक अन्य जत्था खुर्सीपार से देवबलोदा के लिए रवाना हुआ। गाजेबाजे के बीच शिवभक्त कांवड़ में जल लेकर देवबलोदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर के लिए रवाना हुए।

भिलाई। भिलाई-चरोदा से निकला जत्था एक राष्ट्र, एक धर्म, एक समाज सनातन एवं मानवता का संदेश लेकर रवाना हुआ। शिवनाथ कांवड़ यात्रा के संरक्षक उपकार चंद्राकर के नेतृत्व में कांवड़िया खारून नदी से पवित्र जल लेकर शिवनाथ नदी महामरा घाट के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान बोल बम, हर हर महादेव का जयघोष गूंजा। उपकार चंद्राकर ने कहा कि कांवड़िए हर हर महादेव और बोल बम के जयघोषों के साथ भगवा रंग में रंगकर सनातन संस्कृति की महिमा, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए पूरे ऊर्जा के साथ यात्रा में कदम से कदम मिलाकर चलें। भगवान शिव के आशीर्वाद एवं महिमा का परिणाम है कि छोटे बच्चे से लेकर महिलाएं, बालिकाएं 33 किलोमीटर की लंबी पैदल यात्रा कर शिवनाथ नदी दुर्ग में विराजमान बाबा महादेव को जलाभिषेक कर सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना की।

खुर्सीपार से भक्तों का जत्था शिव मंदिर देवबलोदा के लिए हुआ रवाना, जगह-जगह हुआ स्वागत

खुर्सीपार से शिवभक्तों का जत्था प्राचीन शिव मंदिर देवबलोदा के लिए रवाना हुआ। गौतम नगर वार्ड के पार्षद विनोद सिंह ने बताया कि सुबह 8 बजे शिवालय ग्राउंड जोन 1 खुर्सीपार से जत्था निकला। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा सहित अन्य मौजूद थे। विनोद सिंह ने कहा कि यह यात्रा केवल श्रद्धा ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, परंपरा और संस्कृति के संगम का प्रतीक भी है। श्री विनोद सिंह ने बताया कि यह यात्रा प्रत्येक वर्ष और भी भव्य स्वरूप में आयोजित की जाएगी। जत्थे में जस झांकी मंडली एवं लोक गायिकाओं के सांस्कृतिक दल ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की मनोहारी प्रस्तुतियों से यात्रियों का उत्साहवर्धन किया।

1008 मीटर का भगवा ध्वज बना आकर्षण का केंद्र

आचार्य नरेंद्र शास्त्री (चाय वाले बाबा) के मार्गदर्शन में इस बार 1008 मीटर लंबा भव्य भगवा ध्वज कांवड़ यात्रा सनातन अमरत्व का संदेश दिया। दीपों की आभा एवं मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ। शिवनाथ नदी घाट में विधि-विधान से आरती उतारी गई। चारों ओर दीपों की आभा फैली, मंत्रोच्चार गुंजायमान हुए। इस अवसर पर सतनामी, आदिवासी, गोंड, कंवर, यादव, साहू, रजक, विश्वकर्मा, कुर्मी, माहरा, ब्राह्मण, वैश्य, ठाकुर, सिंधी, जैन सहित अन्य समाज के शिवभक्त बड़ी संख्या में शामिल हुए।

श्री केदार सेवा समिति ने बांटा खीर, हलवा और फल का प्रसाद

शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के द्वारा खारून नदी कुम्हारी से शिवनाथ नदी दुर्ग तक कांवड यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया। इस यात्रा का कुम्हारी से लेकर दुर्ग तक जगह जगह भक्तों के द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान श्री केदार सेवा समिति ने भी कोसानाला टोल के पास कांवड़ लेकर चल रहे भाजपा नेता उपकार चंद्राकर और अन्य भक्तों का स्वागत किया। इस दौरान सभी को खीर, हलवा और फल दिया गया। पेयजल का वितरण किया गया। समिति के सदस्य कुलदीप शर्मा, बैजनाथ शर्मा, श्याम शर्मा, प्रदीप शर्मा, शशिकांत सिंह, संदीप शर्मा, प्रशांत चौबे, जितेंद्र श्यांति, पंकज राजपूत, मनोज बघेल, चंद्रमोहन बंसल, शशि शर्मा और सुमित जायसवाल ने बाबा भोलेनाथ के भक्तों के लिए सेवा दी।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय चला रहा अभियान

हेपेटाइटिस साइलेंट किलर जो चुपके से लिवर को पहुंचाता है नुकसान इसके एबीसीडी और ई वायरल सक्रिय, बी और सी सबसे घातक

कार्नर न्यूज

भिलाई। सोमवार यानी 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस है। इस दिन की शुरुआत हुई, जब नोबेल-पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ. बारूक ब्लमबर्ग ने ही हेपेटाइटिस बी वायरस (एचबीवी) की खोज की थी। यह बीमारी पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी है। इस बीमारी में लाखों की संख्या में मौतें हो रही हैं। इसे साइलेंट किलर माना गया है, जो चुपके से लिवर तक पहुंचता है और धीरे-धीरे लिवर को पूरी तरह खराब कर देता है। इसके बाद आदमी की जान बचाना मुश्किल हो जाता है। हेपेटाइटिस की बीमारी मुख्य रूप से एबीसीडी और ई टाइप की होती है, जिसमें बी और सी सबसे ज्यादा घातक है। एचबीवी की खोज की थी और इस वायरस के लिए एक परीक्षण और टीका विकसित हो चुका है। हेपेटाइटिस, जो कि लिवर की सूजन है। वायरस, शराब, कुछ दवाओं या ऑटोइम्यून बीमारियों के कारण हो सकता है। इस साल विश्व हेपेटाइटिस दिवस थीम चलो इसे तोड़ दें हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 5 करोड़ लोग संक्रमित हैं। इसमें 80 फीसदी ऐसे लोग हैं, जिन्हें पता ही नहीं है कि वे हेपेटाइटिस बीमारी की चपेट में हैं।

जानिए क्या है हेपेटाइटिस और इससे क्या कुछ नुकसान

हेपेटाइटिस यानी लिवर की सूजन। यह एक या एक से अधिक वायरस के संक्रमण से हो सकता है। आमतौर पर यह पांच प्रकार के वायरस से होता है। इनमें से हेपेटाइटिस बी और सी सबसे घातक माने गए हैं, क्योंकि ये लिवर को धीरे-धीरे इतना नुकसान पहुंचा सकते हैं कि रोगी को लिवर सिरोसिस या कैंसर हो सकता है। डब्लूएचओ के मुताबिक दुनिया में 35 करोड़ से ज्यादा लोग हेपेटाइटिस बी और सी से संक्रमित हैं। हर साल 13 लाख से अधिक लोगों की मौत हेपेटाइटिस और उससे जुड़ी जटिलताओं से होती है। इस बीमारी को कम करने के लिए 2030 तक हेपेटाइटिस को वैश्विक खतरे की सूची से हटाने का लक्ष्य रखा गया है।

देश में 5 करोड़ से ज्यादा लोग बी और सी टाइप हेपेटाइटिस से प्रभावित

भिलाई-दुर्ग के चिकित्सकों की मानें तो छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में इस समय पांच करोड़ से ज्यादा लोग बी और सी टाइप के हेपेटाइटिस से प्रभावित हैं। 4 करोड़ से ज्यादा बी और 1 करोड़ से ज्यादा सी से पीड़ित हैं। बता दें कि कई मामलों में यह भी देखने में आया है कि संक्रमित दूसरे को प्रभावित कर सकता है। ब्लड ट्रांसफ्यूजन, संक्रमित सुई या यौन संबंधों के माध्यम से दूसरा भी संक्रमित हो सकता है। हर साल इस बीमारी से 13 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो रही है। बीमारी के लक्षण में हल्की थकान, भूख न लगना, पीलिया, पेट में भारीपन जैसे संकेत हैं। अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे बीमारी बढ़ जाती है। इसलिए समय रहते इस बीमारी की जांच कराएं और इलाज शुरू करें।

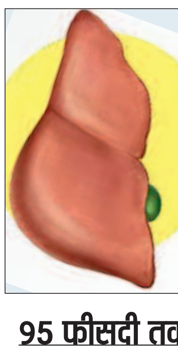

सबको मिलकर इस बीमारी से लड़ना होगा

बीमारी खतरनाक जरूरी है, लेकिन लाइलाज नहीं है। इसके लिए हमें जागरूक होने की जरुरत है। पेट की किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर जांच जरूर कराएं। इसे किसी भी सूरत में नजर अंदाज न करें। लक्षण दिखते ही विशेषज्ञ डॉक्टरों से कंसल्ट करें।

-डॉ. जीवन लाल, वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट आरोग्यम हॉस्पिटल दुर्ग

ए और ई पानी से, बी और सी ब्लड से फैलता है

हेपेटाइटिस बेहद खतरनाक है। ए और ई गंदे पानी से फैलता है। बी और सी ब्लड से फैलता है, जो बेहद खतरनाक है। डी टाइप बी और सी में छिपा रहता है। पेट में दर्द, उल्टी आना, आंखों में पीलापन, पेशाब का पीला होना, इस बीमारी के लक्षण हैं। इस वजह से ही बी और सी टाइप की जांच अनिवार्य की गई है। अगले तीन साल में इस बीमारी को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है।

-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, नोडल अधिकारी ब्लड बैंक दुर्ग

95 फीसदी तक के मामलों में इस बीमारी का इलाज संभव

डॉक्टर बताते हैं कि 95 फीसदी मामलों में इस बीमारी का इलाज संभव है। सी के लिए दवाइयों का कोर्स उपलब्ध है। डब्लूएचओ के अनुसार 95% तक इलाज संभव है। बी का भी इलाज संभव है। इसे पूरी तरह कंट्रोल किया जा सकता है। एक छोटी सी जांच, एक टीका, और थोड़ी सी जागरूकता ज़िंदगी बचा सकती है। बस दवाओं का नियमित सेवन, खानपान में विशेष ध्यान, शराब सेवन से दूर रहने से इस बीमारी से मुक्ति मिल सकती है।

सिटी इवेंट

भोजली उत्सव को लेकर समिति गठित, 10 अगस्त को होगा आयोजन

भिलाई। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति व कृषि पर आधारित भोजली उत्सव आयोजन के लिए पूर्व निगम अध्यक्ष सीता साहू, वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमलाल साहू, पूर्व अध्यक्ष चंद्रकांता मांडले, नंदिनी जांगड़े पार्षद की उपस्थिति में भिलाई-चरोदा निगम स्तरीय भोजली उत्सव के आयोजन की रुपरेखा एवं आयोजक समिति का गठन किया गया।

- भिलाई-चरोदा निगम स्तरीय भोजली उत्सव समिति का गठन

आजाद चौक स्थित सांस्कृतिक भवन में समिति की हुई बैठक में बालिकाओं द्वारा आयोजित कृषि संस्कृत कृषि संस्कृति का लोक पर्व भोजली को निगम क्षेत्र के 40 वार्डों में एक-एक दल का चयन कर भोजली बोने तथा एक स्थल पर एकत्र होकर समारोहपूर्वक रक्षाबंधन के दूसरे दिन विसर्जित करने की रुपरेखा तय की गई। प्रारंभ में उपस्थित वरिष्ठजनों ने मां दुर्गा के तैल चित्र के समक्ष धूप दीप प्रज्वलित कर बैठक की शुरुआत की। उत्सव के संयोजक व जनजाति शोधार्थी राम कुमार वर्मा ने भोजली के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति के लोक पर्व के रुप में आयोजित लोक अनुष्ठानिक उत्सव की पृष्ठभूमि रखते हुए बताया किया यह कृषक समुदाय द्वारा भूमि में जल धारण की क्षमता परीक्षण और राज कुमारी चंद्रबली द्वारा भोजली उत्सव में सहभागिता करने का प्रतीक है, जो बालिकाओं का उत्सव है।

तय की गई समिति की कार्यकारिणी घोषित

आयोजन समिति में सर्वसम्मति से वरिष्ठ समाजसेवी तुलसी मरकाम को अध्यक्ष, अंजू वर्मा, सुकून देवांगन, इंदुमती साहू, प्रतीम वर्मा, निर्मला भारती, गीता साहू को उपाध्यक्ष, पूर्णिमा ठाकुर, द्रोपती वर्मा, पद्मिनी साहू, मीना गिरी गोस्वामी, गीता वर्मा को प्रचार मंत्री का दायित्व दिया गया है। विसर्जन को भव्य बनाने के लिए 40 वार्डों में दल नायक का नियुक्त किया गया। वे अपने वार्ड में कम से कम 5 से 10 महिला सदस्यों द्वारा भोजली बोकर विसर्जन के लिए भिलाई तीन स्थित स्टेडियम परिसर में मुख्य समारोह में सहभागिता के लिए भोजली को सजाकर उपस्थित होंगे। आयोजकों द्वारा दल प्रमुखों को पांच-पांच बांस की टोकरियों भेंट की गई। इस बैठक में प्रेमलता चंद्राकर, महेश सोना, कमल जांगड़े, बिंदेश्वरी पटेल, बेबी ठाकुर, पुष्प लता मंडपे, शकुन देवांगन, मंगतीन यादव सहित अन्य मौजूद थे।

● अग्रसेन भवन सेक्टर-6 में अग्रसेन महिला मंडल का आयोजन

हरियाली तीज पर महिलाओं ने किया सतरंगी थीम पर डांस, चटपटे व्यंजन का उठाया लुत्फ, राजस्थानी परिधान में नजर आईं महिलाएं

भिलाई। अग्रसेन भवन सेक्टर 6 में सावन की हरियाली तीज का एक बड़ा ही रोचक प्रोग्राम आयोजित किया गया। अग्रसेन महिला मंडल द्वारा यह कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान सावन उत्सव खूब जोर शोर और धूमधाम से मनाया गया। इसमें समाज की सभी महिलाओं, बच्चों ने बढ़-चढ़कर अपने पारंपरिक राजस्थानी परिधान लहंगा चुन्नी पहनकर सोलह श्रृंगार करके डांस प्रस्तुत किया।

अग्रसेन भवन में सतरंगी थीम पर डांस को खूब सराहा गया। खूब धमाल मचाने वाले इस डांस ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रजनी विजय बघेल मौजूद थीं। विशेष रूप से ऋचा रिकेश सेन शामिल हुईं। जनकल्याण समिति के विजय गुप्ता, विजय अग्रवाल और संजय रुंगटा ने भी कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कई मजेदार प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। चटपटे के साथ पारंपरिक व्यंजनों के भी स्टाल लगाए गए, जिनका मौजूद लोगों ने स्वाद चखा। इस अवसर पर महिलाओं ने सावन के झूले का भी आनंद लिया। इस दौरान पुराने पारंपरिक गानों पर नृत्य भी किया। अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया। साथ ही भविष्य में भी आयोजनों का संकल्प लिया गया। अपने तरह के इस अनोखे आयोजन में भिलाई के अलावा दुर्ग और आसपास के क्षेत्रों से आए अग्रवाल समाज के लोग शामिल हुए।

बच्चों ने भी आयोजन में की शिरकत, प्रतियोगिताओं में हुए शामिल

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में समाज के बच्चों ने भी शिरकत की। अपनी सहभागिता निभाई। प्रतियोगिताओं में शामिल हुए। समिति के अध्यक्ष बंसी अग्रवाल, महासचिव अनिल अग्रवाल ने कहा कि समाज के ऐसे आयोजनों से ही समाज की ताकत और एकजुटता नजर आती है। समाज के सभी सदस्यों को ऐसे आयोजनों में पहुंचना चाहिए। कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। महिला समिति की अध्यक्ष गायत्री शरद अग्रवाल, महासचिव उमा गोपाल अग्रवाल ने कहा कि काफी मेहनत से ऐसे कार्यक्रम तैयार होते हैं। इसलिए ऐसे आयोजनों को यादगार बनाने में सभी की सहभागिता जरूरी होती है। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं की टीम ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

खुर्सीपार में भी तीज महोत्सव पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति ने अग्रसेन भवन खुर्सीपार तीज महोत्सव मनाया। अध्यक्ष संगीता अग्रवाल के नेतृत्व में बंपर हॉजी का भी आयोजन हुआ। स्पॉन्सर की तरफ से चांदी के सिक्कों की भरमार रही। कई प्रकार के सुंदर-सुंदर दुकानें सजाई गईं, जिसमें राखी, साड़ी, लड्डू गोपाल, प्रसाद, मिष्ठान के स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में बहू बेटियों द्वारा सुंदर-सुंदर डांस की प्रस्तुतियां रहीं। इसमें श्रेया ग्रुप, सपना ग्रुप, काजल ग्रुप, अंजलि ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति दी। आनंद मेला में व्यंजनों का भी भरपूर आनंद लिया गया। इस अवसर पर सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, रतनलाल अग्रवाल, युवा मंच के अध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रेमा गर्ग, उषा अग्रवाल, शारदा सिंघानिया, प्रेमलता रामनाथ, संगीता, शारदा, कविता, हंसा, दीप्ति, अंजू, मनीषा सहित अन्य मौजूद थे।

महिलाओं के श्रृंगार सामानों के स्टाल में जुटी भीड़

इस अवसर पर महिलाओं के श्रृंगार से जुड़े सामानों के स्टाल भी लगाए गए, जिनमें महिलाओं को भीड़ नजर आई। इसके अलावा चटपटे व्यंजनों के भी स्टाल लगाए गए। सावन के झूलों का महिलाओं ने जमकर आनंद लिया। साथ ही अपने बचपन के दिनों को याद किया। समिति की पूरी टीम ने महीने भर से काफी मेहनत की फल स्वरुप तीज का रंगारंग प्रोग्राम यादगार बना दिया। महिलाओं बच्चों ने तरह-तरह के स्टालों से भरपूर शॉपिंग की। समाज के सभी वर्ग के लोगों ने इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

स्पोर्ट्स इवेंट

सीनियर गर्ल्स वालीबॉल ने जीता गोल्ड मेडल, बिलासपुर को हराया

भिलाई। एमजीएम सेक्टर 6 ने इस्ट जोन सीबीएसई-2 सीनियर गर्ल्स वॉलीबॉल चैंपियनशिप में जीत हासिल की है। लीग मैच में उन्होंने डीपीएस बिलासपुर को आसानी से 2-0 से हराया। सेमीफाइनल मैच में उन्होंने रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल को 3-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में भुवनेश्वर के खिलाफ उन्होंने कड़े मुकाबले में 3-1 से जीत हासिल की। और ट्रॉफी अपने नाम की। टीम के सदस्य अलीशा (कप्तान), इच्छा तिवारी, प्रियंका, कनिष्का, श्वेता, आयुषी, आरुषि, निशेल, जागृति, दृशा, ऋषिका, वर्षी शामिल हैं। टीम की कोच रुचि जायसवाल थीं।

पोटियाकला स्कूल में पौधारोपण

लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई पाठ्य सामग्री

दुर्ग । लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी द्वारा डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट शिक्षा सेवा के तहत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पोटियाकला स्कूल में बच्चों को स्टेशनरी एवं जरुरत की अन्य सामग्रियों का वितरण कर बेहतर पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण सेवा के तहत क्लब के सदस्यों द्वारा फलदार व छायादार पौधे भी लगाए गए। यह पौधे पर्यावरण मित्र के सदस्य जीपी त्रिपाठी द्वारा क्लब को उपलब्ध करवाए गए थे। वृक्षारोपण के पश्चात क्लब की अध्यक्ष लायन आकांक्षा मिश्रा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और प्राचार्य का सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट की। सचिव लायन हरमीत सिंह भाटिया ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में लायंस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की कोषाध्यक्ष अनीता तिवारी, सुरेंद्रपाल दुलई, अमर सिंह गुप्ता, एमजेएफ डॉ. रौनक जमाल, सुनील अग्रवाल, अनिल अरोड़ा, पीएमजेएफ बृजमोहन खंडेलवाल, शंकर अग्रवाल, भोजराम यादव, राकेश साहू के अलावा स्कूल स्टॉफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

बॉक्सिंग स्पर्धा

राष्ट्रीय बॉक्सिंग खेल प्रतियोगिताओं से छात्र दुर्ग लौटे, दो ने जीते मेडल

भिलाई। केंद्रीय विद्यालय दुर्ग से राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने गए 15 छात्र पिछले दिनों लौटे। बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दो छात्रों ने समीर, वजन वर्ग 63 से 66 किग्रा क्षितिज, भार वर्ग 75 से 81 किग्रा कांस्य पदक जीता। रायपुर रीजन की ओर से क्षितिज, समीर, आदित्य, ऐश्वर्या , युवराज, गौरव, रुद्राक्ष, आयुष, मेहुल, आशीष, अभिषेक, कार्तिक, कुशाग्र, मोक्ष, कुशल इन 15 छात्रों ने केंद्रीय विद्यालय 3 में आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था।

बारादरी नाम का संगीत कक्ष और अन्य स्थान ने छात्रों को रोमांचित

डॉ. अजय आर्य ने बताया कि छात्र-छात्राओं ने झांसी की रानी का किला देखा। किला 1857 के भारतीय विद्रोह में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था, जब रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के खिलाफ इसका बचाव किया था। इस किले के पास ही रानी महल बना हुआ है। किले में ही गणपति जी बहुत प्रतिमा और मंदिर स्थित है जहां पर प्रतिदिन झांसी की रानी पूजा करती थी। बारादरी नाम का संगीत कक्ष एवं अन्य स्थान ने छात्रों को रोमांचित किया।

धर्म लाइव

पिनाकेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकली कलश यात्रा

भिलाई। विद्या विहार नेहरू नगर पश्चिम में पिनाकेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा के लिए विद्या विहार के निवासियों ने नेहरू नगर के भेलवा तालाब से विद्या विहार तक गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा के बाद वेदी पूजा हुई। 28 जुलाई को शिव परिवार की शोभा यात्रा निकलेगी। 29 जुलाई को दोपहर शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा होगी। शाम सात बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम होगा। कलश यात्रा में विद्या विहार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष अनिल शुक्ला, महासचिव योगेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राममूर्ति शर्मा, अजीत जैन, विनय पंचोली, अविनाश कुमार गुप्ता, पी एल यादव, वीरेंद्र कुमार लोहिया, राम दत्त शर्मा, प्रवीण राय, निखिल खिचारिया, अभय कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

बीआईटी कॉलेज में 1975 की विभीषिका के 50 वर्ष विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

कार्नर न्यूज

आपातकाल पर दिखाया चलचित्र, इसके वक्ताओं ने कहा- यह घटना लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला, इससे सबक लेने की है जरुरत

दुर्ग। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आपातकाल की विभीषिका के 50 वर्ष विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन बीआईटी के सभागार में आयोजित किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 1975 में लगे आपातकाल के काले अध्याय से समाज को अवगत कराना और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना रहा। संगोष्ठी प्रारंभ होने के पूर्व आपातकाल के विषय पर बने चलचित्र को दिखाया गया, इसके पश्चात मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानन्द जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चेतस सुखड़िया, क्षेत्रीय संगठन मंत्री (मध्य क्षेत्र), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कहा कि आपातकाल भारत के लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल के दौरान, इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने भारतीय संविधान में कई संशोधन किए। इन संशोधनों ने न्यायिक समीक्षा, मौलिक अधिकारों और विधायी शक्तियों को प्रभावित किया।

आपातकाल के दौरान हुए आंदोलनों पर भी किया मंथन

इस संगोष्ठी मं आपातकाल के दौरान हुए आंदोलन पर भी मंथन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ औंर अखिल भारतीय विद्याथी परिषद ने आगे बढ़कर शासकीय अत्याचारों को सहा परन्तु किसी भी दबाब के चलते इमरजेंसी-विरोधी आंदोलन की गति और दिशा को बिगड़ने नहीं दिया। प्रेस की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति का अधिकार और नागरिक स्वतंत्रताओं को जिस प्रकार दबाया गया, वह इतिहास का कड़वा सच है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव सजग रहें। इस कार्यक्रम में प्रांत संगठन मंत्री महेश साकेत, विभाग छात्रा प्रमुख भूमि राजपूत, नगर अध्यक्ष अमृतेश शुक्ला, नगर सहमंत्री गजानंद साहू एवं विभाग संयोजक कुणाल राजपूत जिला संयोजक प्रवीण यादव रहे। इस अवसर पर आपातकाल के समय रहे मीसाबंदी, संघ परिवार के विविध संगठनों के कार्यकर्ता, नगर के जनप्रतिनिधी अभाविप के कार्यकर्ता शामिल हुए।

संगठनों के बलिदानों से वर्तमान युवाओं को सीखने की आवश्यकता

विशिष्ट अतिथि बिसरा राम यादव, पूर्व प्रांत संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपातकाल के दौरान संघ और अन्य राष्ट्रवादी संगठनों द्वारा दिए गए बलिदानों की चर्चा करते हुए कहा कि यह समय युवाओं के लिए सीखने और सजग रहने का है। विशेष आकर्षण के रूप में आपातकाल की विभीषिका पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें उस समय के अखबारों की कतरनों, गिरफ्तारियों, प्रतिबंधित अभिव्यक्तियों और विरोध आंदोलनों से संबंधित छायाचित्र और जानकारी प्रदर्शित की गई। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों और आमजनों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणास्पद रही।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रीय कार्फबॉल में छत्तीसगढ़ ने हिमाचल प्रदेश को हराया

रायपुर। राष्ट्रीय 21वीं सब जूनियर एवं 30 वीं जूनियर कार्फबॉल प्रतियोगिता तंबराम चेन्नई (तमिलनाडु) में 24 से 27 जुलाई तक आयोजित की गई। जिसमें छत्तीसगढ़ की सब जूनियर टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। टीम के सदस्य सागर वाधवानी, अनुज श्रीवास्तव, अन्वेष हडलेशकर, अर्षित गुप्ता, आयुष बारी, ऋतिक राज गुप्ता, आदित्य सिंह, प्रकृति कश्यप, आकांक्षा रजक, आरना कुलश्रेष्ठ आरजू मुमताज, संजना मिंज, रुद्राक्षी जैन एवं कोच ओम पटेल एवं मैनेजर शमशाद बेग थे। टीम ने छत्तीसगढ़ टीम ने अपने लीग मैच में महाराष्ट्र को 9-5 एवं तमिलनाडु को 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमी फाइनल में हिमाचल प्रदेश से जीतकर छत्तीसगढ़ टीम ने फाइनल में प्रवेश किया एवं फाइनल में हरियाणा से पराजित होकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ की टीम ने गत वर्ष भी द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। छत्तीसगढ़ की इस उपलब्धि पर प्रदेश कार्फबॉल प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर पलक जायसवाल, केपीएस चौहान भिलाई, आनंद सिंह, उमेश सिंह, राजेश प्रताप सिंह, नागेश प्रताप सिंह, रेनू कुलश्रेष्ठ, अमित तिवारी, ओमकार जयसवाल, बृजेश शर्मा, देवेंद्र सन्नाड, वर्तिका सिंह, पीयूष पांडे, अमित पिल्ले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, ऋषभ हडलेसकर, सौम्य संतवानी एवं सभी खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

हॉकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वितरित किये हॉकी स्टिक

रायपुर। हॉकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए रायपुर के पूर्व महापौर एजाज़ ढेबर और उनकी पत्नी अंजुम ढेबर (पार्षद मौलना रऊफ वार्ड) ने गंजपारा स्कूल की हॉकी टीम के खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक भेंट की। इस अवसर पर स्मार्ट हॉकी के सचिव नासिर अली भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिन्होंने खिलाड़ियों को स्टिक केस प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। गौरतलब है कि यह वही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कुछ दिनों पहले अपनी पुरानी और टूटी हुई स्टिक से, नंगे पांव खेलते हुए, एक शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल से जीत दर्ज की थी। इन खिलाड़ियों का जज़्बा और खेल के प्रति समर्पण ने सभी का दिल जीत लिया। पूर्व महापौर ढेबर ने इस अवसर पर कहा, इन बच्चों ने कठिन परिस्थितियों में भी जो जीत हासिल की है, वह प्रेरणादायक है। इन्हें बेहतर संसाधन देना हमारा कर्तव्य है, ताकि ये भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के शिक्षक तिर्की पूर्व हॉकी खिलाड़ी नोमान अकरम हमीद और पूर्व हॉकी खिलाड़ी और शेरा क्लब अध्यक्ष मुश्ताक अहमद मौजूद थे।

राष्ट्रीय नेटबॉल में आयुष्मान, शबनम व माही छत्तीसगढ़ से

रायपुर। 14 वीं सेंट्रल जोन नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप गाजियाबाद उत्तरप्रदेश में 26 से 28 जुलाई तक आयोजित है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ सरगुजा से बालक वर्ग से आयुष्मान यादव एवं बालिका में माही मंसूरी और शबनम नाज का चयन हुआ है। जिले से चयनित तीनों खिलाड़ियों को जिला संघ के सचिव रजत सिंह, सौरभ सिन्हा, गौरव सिंह, केपी सिंह, निशांत सिंह गोल्डी और खुशबु गुप्ता के साथ जिला नेटबाल संघ व सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ ने बधाई दी है।

सीबीएसई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में एमजीएम स्कूल की जीत

रायपुर। ईस्ट ज़ोन सीबीएसई क्लस्टर दो सीनियर गर्ल्स वॉलीबॉल चैंपियनशिप एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिलासपुर ने जीत लिया। लीग मैच में उन्होंने डीपीएस बिलासपुर को आसानी से 2-0 से हराया। सेमीफाइनल मैच में उन्होंने एसईसी रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल को 3-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में भुवनेश्वर के खिलाफ उन्होंने कड़े मुकाबले में 3-1 से जीत हासिल किया और ट्रॉफी अपने नाम किया। टीम के सदस्य थे अलीशा (कप्तान), इच्छा तिवारी, प्रियंका, कनिष्का, श्वेता, आरुषी, जागृति, दृशा, ऋषिका, वर्षी। टीम की कोच रुचि जायसवाल थीं।

आंत के बैक्टीरिया से मस्तिष्क का है सीधा संबंध, दिमाग को कंट्रोल करते हैं ये बैक्टीरिया

सिर्फ भोजन को हजम करना ही काम नहीं है आंतों का, दिमाग से भी जुड़े हैं इसके तार

हमारा मस्तिष्क और हमारा पेट दोनों ही शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। बहुत कम लोगों को मालूम है कि हमारा मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा संबंध है। आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित करते हैं।

हमारा शरीर एक जटिल तंत्र है, जहां हर अंग एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। इनमें मस्तिष्क और पेट का संबंध सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। हालांकि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि पेट का काम सिर्फ खाना पचाना है, पर बहुत कम लोगों को यह मालूम है कि हमारे मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा और सीधा संबंध है।हमारा पेट सिर्फ भोजन पचाने का काम नहीं करता, बल्कि यह अरबों सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) का घर भी है, जिन्हें सामूहिक रूप से आंत माइक्रोबायोम कहते हैं। ये बैक्टीरिया हमारे शरीर का एक जरूरी हिस्सा हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि ये आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क के साथ लगातार संवाद करते हैं। यह संवाद सिर्फ हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य, हमारी भावनाओं, मूड और यहां तक कि सोचने-समझने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। यह संबंध जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक गहरा और प्रभावशाली है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि हमारे आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को कैसे कंट्रोल करते हैं।

आंत और मस्तिष्क में संवाद के तरीके

आंत और मस्तिष्क के बीच का संवाद कई तरीकों से हो सकता है। सबसे पहला वेगस तंत्रिका एक सीधा रास्ता है, जो पेट से दिमाग और दिमाग से पेट तक संदेश ले जाती है, जिससे दोनों आपस में जुड़े रहते हैं। इसके अलावा, आंत के बैक्टीरिया कई रासायनिक संदेशवाहक (न्यूरोट्रांसमीटर) बनाते हैं, जैसे सेरोटोनिन, जिसका 90% हिस्सा पेट में ही बनता है।

ये रसायन हमारे मूड, नींद और भूख पर असर डालते हैं। साथ ही, आंत का स्वास्थ्य सीधे हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी प्रभावित करता है, आंत में असंतुलन होने पर सूजन बढ़ती है, जो दिमाग और मानसिक सेहत पर बुरा असर डाल सकती है।

आंत के बैक्टीरिया मानसिक स्वास्थ्य और मूड को कैसे प्रभावित करते हैं?

आंत माइक्रोबायोम का असंतुलन, जिसे डिसबायोसिस कहते हैं, चिंता और डिप्रेशन के बढ़ते जोखिम या गंभीरता से जुड़ा हुआ है। एक अस्वस्थ आंत से शरीर में सूजन बढ़ सकती है और न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन बाधित हो सकता है, जिससे मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। आंत के बैक्टीरिया शरीर की तनाव प्रतिक्रिया को भी प्रभावित करते हैं।

एक स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम आपको तनाव के प्रति अधिक लचीला बना सकता है। इसके अलावा, आंत का संतुलन याददाश्त, सीखने की क्षमता और समग्र संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है। नींद के पैटर्न भी आंत के स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। हमारे आंत के बैक्टीरिया का संतुलन कई चीजों से प्रभावित होता है। खराब डाइट जिसमें प्रोसेस्ड फूड, ज़्यादा चीनी और कम फाइबर हो, अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाती है। एंटीबायोटिक्स भी अच्छे-बुरे दोनों बैक्टीरिया को खत्म कर देती हैं। इसके अलावा, लगातार तनाव और नींद की कमी भी आंत के माइक्रोबायोम को नकारात्मक रूप से बदल सकती है। वहीं, आंत के बैक्टीरिया के लिए संतुलित आहार (फाइबर, फल, सब्जियां), प्रोबायोटिक्स (दही) वाले फूड्स बहुत फायदेमंद होते हैं। नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन भी आंत में बैक्टीरिया की विविधता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

स्वस्थ आंत के लिए अपनाएं ये आदतें

अपने दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए अपनी आंत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए अपनी डाइट में फर्मेंटेड फूड्स जैसे दही, छाछ, किमची, और सॉवरक्रॉट को शामिल करें। फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां, दालें और साबुत अनाज का सेवन बढ़ाएं।

प्रोसेस्ड फूड्स और चीनी का सेवन सीमित करें। नियमित रूप से व्यायाम करें, पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या ध्यान जैसी तकनीकों को अपनाएं। यदि आप लगातार मूड संबंधी समस्याओं या गंभीर पाचन संबंधी परेशानियों का अनुभव कर रहे हैं, तो किसी डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से जरूर सलाह लें।

आत्मरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है कराटे-वर्मा

रायपुर। राज्य स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप “स्वतंत्रता कप”का आयोजन स्वामी विवेकानंद इंडोर स्टेडियम, कोटा, रायपुर में 26 एवं 27 जुलाई को रखा गया। आयोजन समिति व भारत कराटे अकादमी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष खेत्रो महानंद ने बताया इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 17 जिलों से 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और आत्मरक्षा, अनुशासन एवं खेल भावना का अद्वितीय प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा थे।

■ **राज्य स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप में पहुँचे खेल मंत्री, प्रदेश भर के खिलाड़ियों की भागीदारी**

मंत्री श्री वर्मा ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा “राज्य सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे आयोजन खेल संस्कृति को और सशक्त करते हैं। आयोजन में विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक, जनपद पंचायत अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे, भाजपा नेता मनोज निषाद, पृथ्वीराज महानंद, जितेंद्र ठाकुर और डॉ गिरिराज आदि ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को विशिष्ट अतिथि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने सम्मानित किया गया, जिसमें सभी विजेताओं को पदक, प्रमाण पत्र एवं विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। इस दौरान भगवानू नायक ने कहा कराटे आत्मरक्षा के साथ ही आत्मविश्वास और चरित्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, ऐसे आयोजन से युवा वर्ग और नई पीढ़ी को नई दिशा मिलती है।

खेत्रो महानंद ने आगे कहा कार्यक्रम के दौरान कराटे की विभिन्न तकनीकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस आयोजन के माध्यम से न सिर्फ खिलाड़ियों को एक मंच मिला, बल्कि राज्य में कराटे को और भी लोकप्रियता मिली। खेत्रो महानंद ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों और दर्शकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि “आप सभी की उपस्थिति और सहयोग से यह आयोजन सफल हो सका। भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों का क्रम जारी रहेगा।”

धन की हर समस्या से मिलेगा छुटकारा बस करने होंगे जरूरी वास्तु के उपाय

कुछ सरल और प्रभावशाली वास्तु उपाय अपनाकर आप अपने जीवन में समृद्धि और सफलता का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। साथ ही इन खास उपाय को सही तरीके से करने पर आप धन की समस्याओं से भी छुटकारा प्राप्त कर सकते हैं।

ईशान कोण का महत्व

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण को सबसे पवित्र दिशा माना गया है, क्योंकि इसे देवताओं का स्थान कहा गया है। इस दिशा को सदैव स्वच्छ और व्यवस्थित रखें। गंदगी या अव्यवस्था से मानसिक तनाव और नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। घर के इस कोने में भगवान की मूर्तियां, धार्मिक ग्रंथ, पूजा का स्थान या छोटा-सा मंदिर बनाना शुभ माना जाता है।

मुख्य द्वार पर दीपक जलाना

घर का मुख्य प्रवेश द्वार ऊर्जा का प्रवेश मार्ग होता है। प्रतिदिन शाम के समय मुख्य द्वार के पास दीपक जलाना बेहद शुभ और फलदायी होता है। दीपक को दरवाजे के दोनों ओर या केवल दाहिनी ओर रखें। इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रवेश नहीं होता। शुक्रवार और अमावस्या की रात को यह उपाय अत्यंत फलदायक माना जाता है।

उत्तर दिशा का रखरखाव

उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर और देवी लक्ष्मी से जोड़ा गया है। यह दिशा आर्थिक उन्नति और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। उत्तर दिशा में साफ-सफाई बनाए रखें और अनावश्यक वस्तुएं न रखें।इस दिशा में मनी प्लांट, क्रिस्टल बॉल, धातु का कछुआ या छोटा-सा एक्वेरियम रखने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है।

शादी से पहले जरूर कराने चाहिए ये मेडिकल टेस्ट, मजबूत रहेगा रिश्ता

एक स्वस्थ और खुशहाल दाम्पत्य जीवन के लिए भावी दूल्हा-दुल्हन के बीच स्वास्थ्य पारदर्शिता और जागरूकता बेहद जरूरी है। कई बार कुछ छिपी हुई स्वास्थ्य समस्याएं भविष्य में रिश्ते में तनाव या गंभीर चुनौतियों का कारण बन सकती हैं। ऐसे में शादी से पहले कुछ जरूरी मेडिकल टेस्ट कराना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

शादी दो लोगों और परिवारों को जोड़ने वाला एक पवित्र बंधन है, जिसकी नींव सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की सुरक्षा पर भी टिकी होती है। एक स्वस्थ और खुशहाल दाम्पत्य जीवन के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बेहद जरूरी है। इसी बीच ये भी खबर आ रही है कि मेघालय में शादी से पहले एचआईवी की जांच कराना अनिवार्य हो सकता है। बता दें कि ऐसा नियम गोवा में पहले से ही लागू है। ऐसे में बहुत से लोगों के मन में यह सवाल है कि आखिर शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन को किन-किन मेडिकल जांचों को करा लेना चाहिए। ये टेस्ट न केवल संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को समय रहते उजागर करते हैं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करते हैं। आइए ऐसे चार महत्वपूर्ण मेडिकल

टेस्ट्स के बारे में जानते हैं, जो हर दूल्हा-दुल्हन को शादी से पहले जरूर कराने चाहिए।

एचआईवी टेस्ट

एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस) टेस्ट शादी से पहले कराए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट्स में से एक है। यह टेस्ट यह सुनिश्चित करता है कि दोनों भागीदारों में से कोई भी इस वायरस से संक्रमित तो नहीं है।

क्यों जरूरी

एचआईवी एक यौन संचारित रोग है। यदि एक पार्टनर संक्रमित है, तो शादी के बाद संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। समय रहते इसका पता चलने पर न केवल संक्रमण को दूसरे पार्टनर तक फैलने से रोका जा सकता है, बल्कि यदि वे भविष्य में बच्चे पैदा करने की योजना बना रहे हैं, तो मां से बच्चे में संक्रमण के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। प्रारंभिक पहचान से संक्रमित व्यक्ति को तुरंत एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी शुरू करने में मदद मिलती है, जिससे वे एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

इनफर्टिलिटी टेस्ट

इनफर्टिलिटी टेस्ट शादी से पहले भावी जोड़ों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि वे भविष्य में बच्चे पैदा करने की योजना बना रहे हैं। यह टेस्ट दोनों भागीदारों की प्रजनन क्षमता का आकलन करता है।

क्यों जरूरी-

इस टेस्ट से पुरुष में शुक्राणु की गुणवत्ता और संख्या या महिला में ओवुलेशन और प्रजनन अंगों से संबंधित संभावित समस्याओं का पता चल सकता है। यदि कोई समस्या पाई जाती है, तो दंपति को पहले से ही इस बारे में पता होगा और वे भावनात्मक, मानसिक और आर्थिक रूप से भविष्य के लिए तैयार हो सकते हैं। यह अनावश्यक तनाव और निराशा से बचने में मदद करता है जो बाद में संतान प्राप्ति में कठिनाई होने पर उत्पन्न हो सकती है।

कार्नर न्यूज

जानें स्क्रीन एडिक्टेड होने के लक्षण और इससे बचाव के उपाय

आज सबसे बड़ी चुनौती बन रही स्क्रीन एडिक्टेड लोगों की बढ़ती तादाद, इससे बचना भी आसान

स्क्रीन एडिक्शन एक बेहद आम समस्या जिससे बहुत से लोग परेशान हैं। ये आदत दिखने में एक सामान्य आदत लग सकता है, लेकिन यह धीरे-धीरे हमारे जीवन में कई चीजों को प्रभावित करता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में सब कुछ जानते हैं।

आज के दौर में स्मार्टफोन, टैबलेट, कंप्यूटर और टेलीविजन जैसे गैजेट्स हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। काम से लेकर मनोरंजन तक, हर क्षेत्र में इनकी भूमिका बढ़ती जा रही है, खासकर कोरोना महामारी के बाद 'वर्क फ्रॉम होम' और 'ऑनलाइन लर्निंग' ने स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को और बढ़ा दिया है। हालांकि, इन गैजेट्स के कई फायदे हैं, लेकिन इनका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग धीरे-धीरे एक नई समस्या को जन्म दे रहा है जिसे 'स्क्रीन एडिक्शन' कहते हैं। यह डिजिटल उपकरणों के उपयोग की एक लत है, जिसमें व्यक्ति नकारात्मक परिणामों के बावजूद स्क्रीन से दूर नहीं रह पाता। यह लत बच्चों, किशोरों और वयस्कों सहित हर आयु वर्ग को प्रभावित कर रही है। ध्यान देने वाली बात यह है कि बहुत से लोगों को ये मालूम भी नहीं है कि वो स्क्रीन एडिक्टेड हैं। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि स्क्रीन एडिक्शन के लक्षण क्या हैं और इससे बचाव के लिए क्या उपाय अपनाए जा सकते हैं।

स्क्रीन एडिक्शन के लक्षणों को पहचानना पहला कदम है। ये लक्षण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से दिख सकते हैं। सबसे पहला व्यक्ति स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को कंट्रोल नहीं कर पाता और जब स्क्रीन उपलब्ध न हो तो बेचैनी या चिड़चिड़ापन महसूस करता है। दूसरा काम, पढ़ाई या घर के कामों की जगह स्क्रीन टाइम को प्राथमिकता देना शुरू कर देता है।

तीसरा व्यक्ति असली दुनिया के बजाय डिजिटल बातचीत को पसंद करता है, जिससे परिवार और दोस्तों से दूरी बढ़ने लगती है। चौथा लगातार आंखों में खिंचाव, सिरदर्द, गर्दन या पीठ में दर्द और नींद में खलल (अनिद्रा) जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पांचवा स्क्रीन का इस्तेमाल न कर पाने पर चिंता, उदासी या खालीपन महसूस होना।

स्क्रीन एडिक्शन से होने वाले नुकसान

स्क्रीन एडिक्शन सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि यह कई गंभीर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है- लगातार एक ही जगह बैठे रहने से मोटापा बढ़ता है, और खराब पोस्चर से गर्दन व पीठ दर्द की समस्या होती है। आंखों की रोशनी प्रभावित होती है और 'कार्पल टनल सिंड्रोम' जैसी समस्याएँ भी हो सकती हैं। चिंता, अवसाद और आत्म-सम्मान में कमी (सोशल मीडिया पर तुलना के कारण) का जोखिम बढ़ जाता है। एकाग्रता की कमी और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है। वास्तविक जीवन के रिश्ते कमजोर पड़ते हैं, संचार कौशल बिगड़ता है, और व्यक्ति अकेलापन महसूस कर सकता है। काम या पढ़ाई में प्रदर्शन में गिरावट आती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद हार्मोन मेलाटोनिन के उत्पादन में बाधा डालती है, जिससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

स्क्रीन एडिक्शन से बचाव के उपाय

स्क्रीन एडिक्शन से बचने और स्वस्थ डिजिटल आदतें अपनाने के लिए कुछ प्रभावी उपाय हैं- समय सीमा निर्धारित करें । स्क्रीन उपयोग के लिए विशिष्ट समय सीमा तय करें। भोजन के दौरान, सोने से पहले या परिवार के साथ समय बिताते समय गैजेट्स से दूर रहें। ऐप्स की मदद से भी उपयोग पर नज़र रख सकते हैं।

विकल्प तलाशें

अपनी रुचि के अनुसार अन्य गतिविधियों में शामिल हों जैसे किताबें पढ़ना, खेलकूद, कला, या प्रकृति में समय बिताना। दोस्तों और परिवार के साथ आमने-सामने का समय बिताएँ।

डिजिटल डिटॉक्स

समय-समय पर सभी डिजिटल उपकरणों से पूरी तरह से डिस्कनेक्ट करें। कुछ घंटों या पूरे दिन के लिए गैजेट्स से दूर रहें।

सोच-समझकर करें उपयोग

जब भी आप अपना फोन उठाएं, तो खुद से पूछें कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। क्या यह किसी खास काम के लिए है या सिर्फ आदत के कारण? यदि आप माता-पिता हैं, तो बच्चों के सामने अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करके एक अच्छा उदाहरण पेश करें।

लाइफ स्टाइल

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

भारत में नजर आई जेम्स बॉन्ड की एक्ट्रेस एलेसेंड्रा, खास काम के लिए आई सुपरमॉडल

ब्राजील की मशहूर सुपरमॉडल एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को इंडिया में स्पॉट किया गया। हाल ही में दिल्ली एयरपोर्ट पर एलेसेंड्रा अपनी बेटी के साथ नजर आईं, जिसके बाद हर कोई ये जानना चाह रहा था वो क्यों भारत आई हैं। ग्लोबल सुपरस्टार के भारत आने के पीछे एक खास वजह है।
दरअसल, एलेसेंड्रा भारत की सबसे चर्चित फैशन शोज में से एक कोचर वीक 2025 में हिस्सा लेने के लिए आई हैं और इसमें भी वो किसी आम मॉडल की तरह नहीं, बल्कि डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की शो-स्टॉपर बनकर रैंप पर उतरने वाली हैं।
जब एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो एयरपोर्ट पर स्पॉट की गईं, तो उनके साथ उनकी बेटी भी नजर आई, जो उनके इस भारत दौरे में उनकी साथी बनकर आई हैं। स्टाइलिश ड्रेस और सिग्नेचर एलिगेंस के साथ एयरपोर्ट पर नजर आई एलेसेंड्रा ने पैपराजी को देखकर स्माइल किया।
एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को मनीष मल्होत्रा ने अपने खास कलेक्शन को पेश करने के लिए इनवाइट किया है और एलेसेंड्रा न सिर्फ वॉक करने वाली हैं, बल्कि शो की मुख्य आकर्षण यानि शो-स्टॉपर भी होंगी। कोचर वीक में मनीष मल्होत्रा हर बार अपने डिजाइन के जरिए कुछ नया और भव्य दिखाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने एक इंटरनेशनल फेस को चुना है, जो इस शो को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

टॉलीवुड

मद्रास हाईकोर्ट की आपत्ति के बाद सोशल मीडिया से हटाया गया 'बैड गर्ल' का टीजर

तमिल फिल्म 'बैड गर्ल' के टीजर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश मद्रास हाईकोर्ट द्वारा दिया गया। फिल्म में टीनएज बच्चों के गलत चित्रण पर कोर्ट ने आपत्ति जताई है। तमिल फिल्म 'बैड गर्ल' का टीजर हाल ही में यूट्यूब और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुआ। इस टीजर में बच्चों, टीनएजर्स से जुड़े कुछ ऐसे आपत्तिजनक चित्रण थे, जिन पर मद्रास हाईकोर्ट ने आपत्ति जताई। ऐसे में कोर्ट ने मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी को फिल्म 'बैड गर्ल' का टीजर यूट्यूब से हटाने का आदेश दिया था। इस फिल्म को वेत्रीमारन और अनुराग कश्यप ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की निर्देशक वर्षा भारत हैं।
मद्रास हाई कोर्ट ने फिल्म को लेकर चिंता जाहिर की। कोर्ट के अनुसार फिल्म 'बैड गर्ल' टीनएज बच्चों पर बुरा असल डालती है। जज पी। धनबल ने कहा, 'अगर बच्चे फिल्म में दिखाई गई बातों को देखेंगे, तो यह जरूर बच्चों के दिमाग पर बुरा असल डालेगी।'
बताते चलें कि 26 जनवरी 2025 को फिल्म 'बैड गर्ल' का टीजर रिलीज हुआ। जिसको काफी क्रिटिसाइज किया गया। एक वकील एस वेंकटेश ने इस पर कानूनी कार्रवाई की, उनका कहना था कि फिल्म के टीजर ने POCSO एक्ट और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट का उल्लंघन किया है।
निर्देशक वर्षा भारत को भी फिल्म 'बैड गर्ल' के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। फिल्म में एक स्कूली लड़की के रिलेशनशिप को एक्सप्लोर करने की कहानी दिखाई गई। वर्षा ने भी अपना पक्ष रखा है। वह कहती हैं, 'मैं बस एक ऐसा किरदार लिखना चाहती थी जो लोगों से जुड़ सके। मेरी फिल्म कोई सेल्फ-हेल्प बुक नहीं है।' बताते चलें कि तमिल फिल्म 'बैड गर्ल' को इंटरनेशनल लेवल पर सराहा गया है। फिल्म को 2025 के रॉटरडैम इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड भी मिला है।
तमाम आलोचानाओं के बाद फिल्म 'बैड गर्ल' सेंसर बोर्ड से पास हो चुकी है, इसे यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म इस साल 5 सितंबर को रिलीज होगी। अब मामला कोर्ट में पहुंच गया है तो इस फिल्म की रिलीज का क्या होगा, यह आने वाले समय में पता चलेगा।

भोजपुरी

इंस्टाग्राम का भोजपुरिया सुपरस्टार तय करने छिड़ी बहस, सबके अपने दावे

भोजपुरी फिल्मों का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। सिर्फ बिहार और यूपी में ही नहीं बल्कि पूरे देश में भोजपुरी फिल्मों के फैंस हैं। ऐसे में जानते हैं कौन सा एक्टर है सोशल मीडिया स्टार।
बॉलीवुड की तरह ही भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री भी अब सिर्फ पर्दे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इनका जलवा बखूबी देखने को मिलता है। भोजपुरी सेलेब्स की भी सोशल मीडिया पर शानदार फैन फॉलोइंग देखने को मिलती है। रवि किशन से लेकर पवन सिंह तक के लोग दीवाने है। ऐसे में हर कोई ये जानना चाहता है कि आखिर सोशल मीडिया पर भोजपुरिया सुपरस्टार कौन है।
दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ को भोजपुरी इंडस्ट्री में जुबरी स्टार के नाम से जाना जाता है। निरहुआ ने 2006 में 'हमका ऐसा वैसा ना समझा' से डेब्यू किया था।एक्टिंग से पहले वो सिंगिंग किया करते थे। बता दें इंस्टाग्राम पर निरहुआ के 2।2 मिलियन फॉलोवर्स हैं।
एक्टर और सिंगर अरविंद अकेला कल्लू ने 2015 में 'दिल भईल दीवाना' से भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखा था।अब वो भोजपुरी के सुपरस्टार एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं। इंस्टाग्राम पर अरविंद को 2।5 मिलियन फॉलोवर्स फॉलो करते हैं। रवि किशन किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। रवि किशन की सोशल मीडिया पर शानदार फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 3।1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।2004 में पवन सिंह ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में सिंगर के तौर पर कदम रखा था।

हिजाब का जलवा

पारंपरिक रूप से फ़ैशन उद्योग में अब हिजाब की तरफ से चुनौती मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय फैशन शो में कई मशहूर डिज़ाइनर और मॉडल्स मुख्यधारा के रनवे पर इस शालीन फ़ैशन को शामिल कर रहे हैं। हिजाब अब फ़ैशन उद्योग में एक सर्वमान्य और स्वीकृत परिधान बन गया है, जो सौंदर्य आदर्शों में एक उल्लेखनीय बदलाव, जीवनशैली और फ़ैशन की स्वीकृति और उत्सव का प्रतीक है।

उमस के दिनों में बढ़ जाती हैं स्किन से जुड़ी परेशानियां

जुलाई का महीना चल रहा है, जिसमें लगभग हर जगह ही खूब बारिश हो रही है। इस मौसम में स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। यदि ध्यान न रखा जाए तो दिक्कत काफी ज्यादा बढ़ जाती है। बहुत से लोगों को तो इस बारे में जानकारी ही नहीं रहती है।
उन्हें लगता है उमस के मौसम में भी वही स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल किए जा सकते हैं, जो गर्मी के मौसम में उपयोग किए जाते हैं। जबकि ऐसा नहीं है। लोगों की इसी परेशानी को देखते हुए हम आपको बताएंगे कि उमसभरे इस मौसम में आपकी स्किन से संबंधी क्या दिक्कतें हो सकती हैं और इन दिक्कतों को कम करने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है।

उमस में क्यों बढ़ती हैं स्किन प्रॉब्लम्स?

सबसे पहले जानते हैं कि उमस के मौसम में स्किन से संबंधी दिक्कतें इतनी क्यों बढ़ जाती हैं ? दरअसल, इसी मौसम में बहुत से लोगों की स्किन के पोर्स पूरी तरह से बंद हो जाते हैं। पोर्स के बंद होने पर स्किन में पसीना काफी ज्यादा आता है और स्किन काफी ऑयली हो जाती है। इसके बाद धीरे-धीरे स्किन पर फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ने लगता है, जिस कारण तमाम दिक्कतें सामने आने लगती हैं। इन दिक्कतों में सबसे अहम है चेहरे पर मुंहासों का होना, स्किन पर ऑयल का आना, एक्ने और पेग्मेंटेशन का होना। इस लेख में हम आपको इन दिक्कतों का हल भी बताएंगे। इनसे आपकी स्किन प्राब्लम जल्द दूर हो जाएंगी और आपको मिलेगी राहत।

सही फेस वॉश करें इस्तेमाल

यदि उमस के मौसम में आप सही फेसवॉश का इस्तेमाल करेंगे तो आपको काफी दिक्कतें होने वाली हैं। इसलिए हमेशा मौसम के हिसाब से फेस वॉश का इस्तेमाल करें, ताकि उमस के मौसम में भी आपकी स्किन खिली-खिली रहे। अगर इस मौसम में आपके फेसवॉश में नीम, टी ट्री ऑयल या सैलिसिलिक एसिड हो तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

टोनर है जरूरी

लोगों को लगता है कि बारिश के मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखने की जरूरत नहीं है। जबकि ऐसा नहीं है। इस मौसम में भी त्वचा को नमी की बेहद जरूरत होती है। ऐसे में दिन में दो बार टोनर का इस्तेमाल करें, और अपने चेहरे को दमकाएं।

ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर आएगा काम

बहुत लोग सोचते हैं कि उमस के मौसम में उन्हें मॉइस्चराइजर नहीं चाहिए, लेकिन यह जरूरी है। हमेशा ध्यान रखिए कि बारिश और उमस के मौसम में जेल बेस्ड और वाटर बेस्ट मॉइश्चराइजर अवश्य करना चाहिए। ये आपके स्किन को मॉइश्चराइज करने में मदद करता है। उमस के मौसम में स्किन को कम से कम दो बार स्क्रब करना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में डेड स्किन हो जाती है और त्वचा के पोर्स भी बंद हो जाते हैं।

बारिश में पत्ते की तरह झड़ रहे हैं बाल तो करें ये उपाय

मॉनसून सीजन में स्किन के साथ बालों से जुड़ी समस्या होना भी आम बात है। बारिश के मौसम उमस और पसीने की वजह से बाल चिपचिप होने लगते हैं। ऐसे में बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और बाल बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। रोजाना पत्तों की तरह झड़ते बालों को देखकर हम परेशान होने लगते हैं। आपने अरंडी के तेल बारे में जरूर सुना होगा। यह बालों के लिए बेहद अच्छा होता है। यदि आपके भी बारिश में मौसम में बाल बहुत ज्यादा झड़ रहे हैं और आप इन्हें रोकने के लिए हर तरह के उपाय करके थक चुकी हैं तो आपको कैस्टर आयल का एक आसान घरेलू उपाय जानना चाहिए।

हेयरफॉल रोकने के लिए कैस्टर ऑयल में क्या मिलाएं?

इसके लिए आपको एक कटोरी में कैस्टर आयल लेना है। अब आप एक प्याज छीलकर उसको मिक्सर जार में डालकर पीस लें। प्याज के पल्प को आपको एक कपड़े में डालकर उसका जूस निकाल लेना है। फिर आप मेथी दाना लेकर उसको थोड़ी देर पानी में भिगो दें। अब मेथी के दाने मिक्सर जार में डालकर पीस लेने हैं। इसके बाद आप अरंडी का तेल में प्याज का रस और मेथी दाने का पेस्ट डालकर मिक्स करें। अब आप इस तेल को किसी बर्तन में डालकर गर्म करें और उसमें कुछ करी पत्ते भी डाल दें। तेल ठंडा हो जाने के बाद आपको इसे किसी बोतल में भर लेना है। इस तेल से आप हफ्ते में दो बार स्कैल्प में मालिश करें। उसके बाद रातभर लगा रहने दें और सुबह बालों को शैंपू से वॉश कर लें। इस प्रक्रिया को आप यदि लगातार दो तीन हफ्ते दोहराती हैं तो आपको कुछ ही दिन में बालों में हेयरफॉल की समस्या खत्म होती दिख जाएगी। इस तेल के लगाने से बाल शाइनी, घने और नए बाल उगने भी शुरू हो जाएंगे।

सावन में दिखेंगी सबसे खूबसूरत जब अपनाएंगी सिंपल ग्रीन लहंगे

अगर आप भी सावन महीने के किसी भी दिन अपने लुक को खास और डिफरेंट बनाना चाहती है, तो आज हम आपको कुछ ऐसे लेटेस्ट ग्रीन कलर के लहंगे डिजाइन बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं।
सावन के महीने में अधिकतर महिलाएं हरे रंग के कपड़े पहनना पसंद करती है। ऐसे में अगर आप भी सावन के आखरी सोमवार या सावन महीने के किसी भी दिन अपने लुक को खास और डिफरेंट बनाना चाहती है, तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे लेटेस्ट ग्रीन कलर के लहंगे डिजाइन बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं साथ ही सावन महीने को यादगार बना सकती हैं।

ऑलिव ग्रीन-सिल्वर टोन्ड प्रिंट

अगर आप अपने ऑफिस में भीड़ से हटकर दिखना चाहती हैं और यूनिक लुक क्रिएट करना चाहती हैं, तो आप इस खूबसूरत ऑलिव ग्रीन और सिल्वर टोन्ड प्रिंटेड रेडी-टू-वियर लहंगा को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के लहंगे न सिर्फ आपको रॉयल लुक देंगे, बल्कि इसे पहनकर आप भीड़ से हटकर भी दिख सकती हैं। आप इस तरह के लहंगे को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

प्रिंटेड कॉटन लहंगा

यही नहीं आप चाहें, तो सावन के महीने में किसी भी दिन अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए इस खूबसूरत ग्रीन कलर प्रिंटेड कॉटन लहंगा को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे लहंगे आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे और आपको यूनिक लुक देने में मदद करेंगे। आप इस तरह के लहंगे को ऑनलाइन खरीद सकती हैं या बाजार से कपड़ा लाकर ऐसा बनवा भी सकती हैं।

सीक्विन्ड आर्ट सिल्क सेमी-स्टिच्ड लहंगा

अगर आप सावन के महीने में किसी शिवालय दर्शन के लिए जा रही है और इस दौरान पहनने के लिए आउटफिट तलाश रही है, तो आप इस खूबसूरत सीक्विन्ड आर्ट सिल्क सेमी-स्टिच्ड लहंगा को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के लहंगे आपको रेडीमेड मिल जाएंगे।

झुमके के लेटेस्ट डिजाइंस में पाएं सिंपल लुक

अपने आउटफिट में ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए आप इस तरह के झुमके स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के झुमके में आपका लुक खूबसूरत नजर आएगा साथ ही, आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

लेटेस्ट डिजाइंस

लेटेस्ट डिजाइंस के झुमके आपके आउटफिट के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते है और इस तरह के झुमके में आपका लुक खूबसूरत नजर आएगा। यह झुमके आप ऑनलाइन या ऑफलाइन इन दोनों ही जगहों से सस्ते कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

स्टोन वर्क झुमके

अगर आप डार्क कलर का आउटफिट स्टाइल कर रही हैं। तो, आप इस तरह के स्टोन वर्क झुमके का चुनाव कर सकती हैं। इस झुमके में बेहद ही खूबसूरत स्टोन वर्क किया हुआ है साथ ही, इसमें बीड्स वर्क भी किया हुआ है। इस तरह के झुमके आप ऑनलाइन ले सकती हैं। वहीं ऑफलाइन भी आपको ये झुमके 200 रुपये की कीमत में मिल जाएंगे।

कुंदन वर्क झुमके

अगर आप लॉन्ग में कुछ पहनने का सोच रही हीं तो, आप इस तरह झुमके स्टाइल कर सकती हैं। इन झुमके में कुंदन वर्क किया किया है और साथ ही, ये लाइट कलर में है। इस तरह के झुमके आप लाइट और डार्क दोनों कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। वहीं इस कुंदन वर्क झुमके को आप 300 रुपये की कीमत में बाजार या ऑनलाइन दोनों ही जगहों से खरीद सकती है।

राउंड डिजाइन झुमके

अगर अप स्टाइलिश लुक पाने के लिए कुछ न्यू डिजाइन में चाहती हैं तो, आप इस तरह के झुमके स्टाइल कर सकती हैं। यह झुमके राउंड डिजाइन में है साथ ही, इनमे बेहद ही खूबसूरत वर्क भी किया हुआ है। यह झुमके आप डार्क कलर के आउटफिट के साथ 400 रुपये की कीमत में खरीद कर स्टाइल कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

मेंस फैशन में हो जाती हैं गलतियां, इनमें जल्द करें सुधार

अक्सर इन वजहों से यंग बॉय करते हैं फैशन मिस्टेक, इन गलतियों को करने से ऐसे बचें

फैशन मिस्टेक ऐसे होती हैं जिनके बारे में हमें पता नहीं चल पाता। हां, जब किसी स्टाइलिश आदमी की नजर पड़ती है तो वह जान लेता है। इस कारण हम बेहतर कपड़े पहनकर भी परफेक्ट नहीं दिख पाते हैं। ऐसे में कपड़ों के ऊपर पैसे खर्च करने का क्या मतलब। कई लोग सोच रहे होंगे मेरी मर्जी मैं जैसे चाहूं वैसे कपड़े पहनूं, किसी का क्या जाता है। मगर ऐसा नहीं है। हर चीज को परफेक्ट बनाने के लिए कुछ रूल्स निर्धारित किए जाते हैं। हमें उन रूल्स को फॉलो करना होता है। उसी तरह फैशन रूल्स होते हैं जिनका पालना करना चाहिए।
इसलिए हम यहां पर लड़कों के स्टाइल मिस्टेक के बारे में बताने वाले हैं। चूंकि न केवल गलतियां बल्कि फैशन मिस्टेक के प्रमुख कारण से लेकर उन गलतियों को दूर करने के बारे में भी जानेंगे। तभी तो खुद को परफेक्ट लुक दे पाएंगे, वो भी बिना गलती किए। अगर आप फैशन मिस्टेक नहीं करना चाहते हैं तो चलिए बारी-बारी हम एक-एक कारण और समाधान को जान लेते हैं-

देखादेखी न पहनें ड्रेस

हम जब किसी को ब्लाइंडली फॉलो करते हैं तो उसको समझने की भाषा में देखादेखी कहते हैं। अक्सर फैशन की दुनिया में देखादेखी करने वालों की संख्या बहुत अधिक है। कई लोग सेलिब्रिटी फैशन तो कई लोग अपने दोस्त या अन्य किसी को देखकर उनकी तरह दिखने का प्रयास करते हैं।
हम यह नहीं कहते हैं कि किसी के फैशन से खुद को इंस्पायर न करें। आप बेहिचक रणवीर सिंह हो या अन्य एक्टर उनके लुक को देखें। लेकिन आपको ठीक वैसा ही दिखना यह जरूरी नहीं। उसके लिए आपको कुछ बातों की जानकारी होनी चाहिए-

समाधान जानिए-

देखादेखी ड्रेस नहीं पहननी है इसलिए किसी फैशनेबल को देखना बंद न करें। आप उनको देखें। मगर आप ड्रेस अपने बॉडी फिट और स्किन टोन का ध्यान रखकर कपड़ा खरीदें। अगर इन दो बातों का ध्यान रखेंगे तो इससे कपड़ा आपके शरीर पर जंचेगा।

अंडरशर्ट को लेकर गलती

अंडरशर्ट को लेकर बहुत सारे लड़की गलती करते हैं। शायद ही ऐसा कोई लड़का हो जो इस बात को लेकर परेशान न हो। कई लोगों को अंडरशर्ट वाली पता चलती है मगर उनको सही जानकारी नहीं होने के कारण वे कुछ कर नहीं पाते। कई लोग जानबूझकर करते हैं।
अब समझिए, अंदर पहनने वाली चीज बाहर दिखेगी तो कैसा लगेगा। हमारे हिसाब से अंदर की चीज अंदर ही रहनी चाहिए। इसलिए तो उसका नाम अंडरशर्ट दिया गया है। मगर कई लोगों का अंडरवियर जींस से बाहर निकल जाता है और गंजी-बनियान शर्ट से बाहर दिखते हैं।

जानिए समाधान-

इसके लिए क्या करना होगा। यहां पर आप कुछ सिंपल फंडा समझ लें। पहली बात कभी भी टी-शर्ट के अंदर गंजी-बनियान न पहनें। अंडरवियर जितना भी महंगा हो लेकिन उसको बाहर न दिखाएं। इसके लिए अंडरशर्ट को लेकर विस्तार रूप से यहां पढ़ें। इससे आपको काफी मदद मिल जाएगी।

दिखावे के लिए स्टाइलिश बनना

दिखावा क्यों भाई, क्या जरूरर है दिखावा करने की। कपड़े शरीर को ढंकने और खुद को निखारने के लिए होते हैं। इसलिए दिखावे के लिए फैशन न करें। अगर ऐसा करेंगे तो शायद आपको मजबूरी में कपड़े पहनने पड़ेंगे। इसके अलावा लोग अपने कपड़े के ब्रांड, प्राइज आदि की चर्चा करते हैं। इस कारण कई जगहों पर उनकी किरकिरी हो जाती है। इससे न आप कंफर्टेबल फील कर पाएंगे, न खुश रहेंगे और न ही आपका आत्मविश्वास कायम रहेगा। अक्सर लड़के इस कारण गलती करते हैं। इसे शाहरुख खान की फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' में दिखाया गया है।